संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
सोमवार
2 फरवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 220
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

PM मोदी का पंजाब दौरा, डेरा सचखंड बल्लां में कार्यक्रम में पहुंचे, हलवारा एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया

पेज-3

मोटी-मोटी बातें

केंद्रीय बजट 2026-27

हरियाणा के विकास को नई गति, इंफ्रा, कृषि और रोजगार पर बड़ा फोकस

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026-27 ने हरियाणा के लिए विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। कुल बजट आकार 53.5 लाख करोड़ रुपये का है, जिसमें पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया है—यह पिछले साल से करीब 9% अधिक है। यह बढ़ोतरी हरियाणा जैसे तेजी से विकसित हो रहे राज्य के लिए वरदान साबित होगी, जहां NCR की निकटता, मजबूत इंडस्ट्री और कृषि आधार विकास की रफ्तार को और तेज करेगा।

हरियाणा को प्रमुख लाभ और सकारात्मक प्रावधान:

बजट में राज्यों को कुल 1.4 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर हिस्सा देने का ऐलान किया गया है। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को मानते हुए राज्यों का हिस्सा 41% पर बरकरार रखा गया है। हरियाणा, जो केंद्र को करों में बड़ा योगदान देता है, को इससे मजबूत वित्तीय सहायता मिलेगी। यह राशि राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, सड़कें और अन्य इंफ्रा परियोजनाओं को गति देगी।

बढ़ा हुआ कैपेक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर बूस्ट:

12.2 लाख करोड़ का कैपेक्स पूरे देश में रेल, सड़क, RRTS (दिल्ली-गुड़गांव-फरीदाबाद जैसे कॉरिडोर), EV चार्जिंग नेटवर्क, इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (IMT) विस्तार और अन्य प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देगा। हरियाणा में पहले से चल रहे IMT खरखोदा, मानेसर और अन्य क्षेत्रों में नए निवेश आएंगे, जिससे रोजगार के लाखों अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मांग के अनुरूप RIDF और UIDF में बढ़ोतरी से ग्रामीण और शहरी इंफ्रा को और मजबूती मिलेगी।

सेमिकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी हब:

India Semiconductor Mission 2.0 के लिए बड़ा प्रावधान किया गया है। हरियाणा का इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत है—यह बजट नए निवेश, स्किल डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी हब बनाने में मदद करेगा। MSME, स्टार्टअप और बायोफार्मा पर फोकस से राज्य के युवाओं को आकर्षक रोजगार मिलेंगे।

कृषि, ग्रामीण विकास और किसान कल्याण:

हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है। बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था,फसल विविधीकरण, पानी संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर है। रेयर अर्थ मिनरल्स, क्रिटिकल मिनरल्स और बायोफार्मा जैसे क्षेत्रों में नए प्लान से हरियाणा के किसानों और एग्री-इंडस्ट्री को फायदा होगा। राज्य की 'मेरा पानी-मेरी विरासत' जैसी योजनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन मिलेगा।

लोकलुभावन घोषणाओं से परहेज, 'सुधार एक्सप्रेस' के साथ किसानों, युवाओं पर जोर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश करते हुए लोकलुभावन योजनाओं से परहेज किया और 'सुधार एक्सप्रेस' को जारी रखने की घोषणा की। सीतारमण ने अपना लगातार रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करते हुए किसानों, युवाओं और छोटी कंपनियों पर विशेष ध्यान दने के साथ अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए बुनियादी ढांचे पर जोर दिया और सुधारों का खाका पेश किया।

उन्होंने विनिर्माण पर जोर देने के साथ पूंजीगत व्यय लक्ष्य बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया जो चालू वित्त वर्ष के लिए 11.2 लाख करोड़ रुपये है। वित्त मंत्री ने लगभग सवा घंटा के अपने बजट भाषण में सुधारों का खाका पेश करते हुए 'विकसित भारत' के लिए बैंकों को तैयार करने को लेकर एक उच्चस्तरीय समिति के गठन का भी प्रस्ताव किया।

उन्होंने वृद्धि के प्रमुख इंजन के रूप में एमएसएमई के महत्व को रेखांकित करते हुए 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई विकास कोष का प्रस्ताव रखा। इसका मकसद क्षेत्र में भविष्य के 'चैंपियन' तैयार करना और उद्योगों को प्रोत्साहन देना है। बजट का ताना-बाना 'तीन कर्तव्यों' यानी आर्थिक वृद्धि को गति देने, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और 'सबका साथ, सबका विकास' के इर्द-गिर्द बुना गया है। बजट में किसानों की आय बढ़ाने के व्यापक उद्देश्य से 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का विकास करने, तटीय क्षेत्रों में मत्स्य मूल्य श्रृंखला को मजबूती प्रदान करने तथा स्टार्टअप एवं महिलाओं की अगुवाई वाले समूह को मत्स्य कृषक उत्पादक संगठनों के साथ शामिल करते हुए बाजार से जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है। सीतारमण ने तटीय क्षेत्रों में नारियल, चंदन, कोको और काजू जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों में सहायता प्रदान कर उच्च मूल्य वाली खेतीबाड़ी पर जोर दिया। बजट में आयकर की दरों एवं संरचना के मोर्चे पर कोई भी बदलाव नहीं किया गया है। इसमें राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2026-27 में 4.3 प्रतिशत रखने का लक्ष्य रखा गया है जो चालू वित्त वर्ष के 4.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। इसमें कर्ज- जीडीपी अनुपात को 2026-27 में घटाकर 55.6 प्रतिशत पर लाने का प्रस्ताव है जो चालू वित्त वर्ष में 56.1 प्रतिशत है।

बजट में आगामी वित्त वर्ष के लिए 53.5 लाख करोड़ रुपये के व्यय का अनुमान है। शुद्ध कर प्राप्तियां 28.7 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है जबकि बाजार से उधारी 17.2 लाख करोड़ रुपये रहने की संभावना जतायी गयी है।

केंद्रीय बजट में क्या सस्ता-क्या महंगा हुआ

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए आम लोगों को राहत देने वाले कई बड़े ऐलान किए हैं। बजट भाषण के दौरान उन्होंने बताया कि कई जरूरी सामान और दवाएं सस्ती होंगी, जबकि कुछ वस्तुएं महंगी भी की गई हैं।

ये सामान होंगे सस्ते

- सोलर एनर्जी से जुड़े उपकरण सस्ते होंगे
- जूते, मोबाइल बैट्री और ओवन की कीमतों में कमी आएगी
- विदेश यात्रा पहले की तुलना में सस्ती होगी
- सीएनजी और बायोगैस के दाम घटेंगे
- दवाओं पर बड़ी राहत
- कैंसर से जुड़ी 17 दवाएं सस्ती की जाएंगी
- 7 गंभीर/दुर्लभ बीमारियों की दवाओं पर भी राहत
- डायबिटीज (शुगर) की दवाएं सस्ती होंगी
- वित्त मंत्री ने कहा कि दवाओं और मेडिकल डिवाइसेज पर कस्टम ड्यूटी घटाने का फैसला किया गया है, जिससे इलाज का खर्च कम होगा।

ये चीजें होंगी महंगी

- शराब
- स्क्रैप (कबाड़)
- खनिज (Minerals)

देश में बनेंगे एम्स जैसे 3 बड़े आयुर्वेद अस्पताल, हर जिले में होगा महिला छात्रावास

नयी दिल्ली- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश में एम्स की तरह तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा हर जिले में एक बालिका छात्रावास की स्थापना की भी घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के हर जिले में एक बालिका छात्रावास स्थापित करने की रविवार को घोषणा की। देश में 700 से अधिक जिले हैं। सीतारमण ने पशु चिकित्सा महाविद्यालयों, अस्पतालों और जांच प्रयोगशालाओं के लिए ऋण से जुड़ी पूंजीगत सब्सिडी सहायता योजना का भी प्रस्ताव रखा। मंत्री ने आयुष औषधालयों और औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं के उन्नयन तथा गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रमुख औद्योगिक 'लॉजिस्टिक' केंद्रों के आसपास के क्षेत्रों में पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप के लिए भी सहायता प्रदान करेगा। सीतारमण ने चिकित्सकीय पर्यटन के लिए पांच केंद्र स्थापित करने और अगले पांच वर्ष में बायोफार्मा शक्ति कार्यक्रम के लिए 10,000 करोड़ रुपये का आवंटन करने का प्रस्ताव रखा।

केंद्रीय बजट 2026-27

बजट में सात हाई-स्पीड, एक फ्रेट कॉरिडोर के निर्माण का प्रस्ताव

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को 2026-27 के केंद्रीय बजट में अलग-अलग शहरों के बीच सात हाई-स्पीड कॉरिडोर और पश्चिम बंगाल के डंकुनी से गुजरात के सूरत के बीच एक नए विशेष फ्रेट कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा।

उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा, 'पर्यावरण अनुकूल यात्री प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए, हम शहरों के बीच 'ग्रोथ कनेक्टर' के तौर पर सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करेंगे।' वित्त मंत्री के मुताबिक, ये प्रस्तावित गलियारे मुंबई और पुणे, पुणे और हैदराबाद, हैदराबाद और बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई, चेन्नई और बेंगलुरु, दिल्ली और वाराणसी तथा वाराणसी और सिलीगुड़ी के बीच विकसित किए जाएंगे।

रक्षा बजट बढ़ा, कृषि में ग्रामीण आय पर फोकस

नयी दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ग्रामीण आय में विविधता लाने और पारंपरिक कृषि से बाहर रोजगार अवसर पैदा करने के मकसद से रविवार को पशुपालन, मत्स्य पालन और उच्च मूल्य वाले कृषि क्षेत्रों के लिए कई पहल की बजट 2026-27 में घोषणा की।

सीतारमण ने संसद में वित्त वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा कि पशुपालन ग्रामीण कृषि आय का करीब 16 प्रतिशत योगदान देता है जिसमें गरीब और सीमांत किसानों की आमदनी भी शामिल है। उन्होंने 20,000 से अधिक पशु-चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ऋण-सम्बद्ध पूंजी सब्सिडी योजना का प्रस्ताव भी रखा।

यह योजना पशु चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पताल, निजी कॉलेज, डायग्नोस्टिक लैब और प्रजनन सुविधाओं की स्थापना को बढ़ावा देगी। सीतारमण ने कहा कि मत्स्य पालन क्षेत्र में सरकार 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का समेकित विकास करने के साथ तटीय क्षेत्रों में मूल्य श्रृंखला को मजबूत करेगी। इससे स्टार्टअप, महिलाओं की अगुवाई वाले समूहों और मछली पालक किसान संगठनों के जरिये बाजार संबद्धता बनाई जा सकेगी। वित्त मंत्री ने पशुपालन उद्यमिता के लिए ऋण-सम्बद्ध सब्सिडी कार्यक्रम लाने की भी घोषणा की, जिसमें पशुधन, डेयरी और पॉल्ट्री केंद्रित एकीकृत मूल्य श्रृंखला के निर्माण और आधुनिकीकरण पर जोर रहेगा।

केंद्रीय बजट से हरियाणा के उद्योग, कृषि और युवा शक्ति को मिलेगी ऐतिहासिक गति: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026–27 का स्वागत करते हुए इसे हरियाणा के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, उद्योग और युवाओं के रोजगार को नई दिशा और नई ऊर्जा देने वाला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार है जब केंद्रीय बजट रविवार के दिन प्रस्तुत किया गया है। यह केंद्रीय नेतृत्व के दूरदर्शी विजन और देश को तेजी से आगे ले जाने के मजबूत संकल्प को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यह बजट तीन प्रमुख कर्तव्यों—आर्थिक वृद्धि को तेज करना, लोगों की क्षमताओं व आकांक्षाओं का निर्माण करना और "सबका साथ–सबका विकास" की भावना—से प्रेरित है। इसका सीधा लाभ हरियाणा के युवाओं, किसानों, महिला शक्ति, एमएसएमई और श्रमिक वर्ग को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इस जनहितैषी बजट के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट का कुल आकार 53.5 लाख करोड़ रुपये का है, जिसमें पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 9 प्रतिशत अधिक है। यह बढ़ा हुआ पूंजीगत व्यय हरियाणा जैसे तेजी से विकसित हो रहे राज्य के लिए वरदान साबित होगा।

उन्होंने कहा कि बजट में राज्यों को कुल 1.4 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर हिस्सा देने का प्रावधान किया गया है। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार राज्यों का हिस्सा 41 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। हरियाणा, जो केंद्र को करों में बड़ा योगदान देता है, इससे मजबूत और स्थिर वित्तीय सहायता प्राप्त करेगा। इस राशि का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, सड़कों और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर किया जाएगा, जिससे जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बढ़ा हुआ पूंजीगत व्यय देशभर में रेल, सड़क, आरआरटीएस (जैसे दिल्ली–गुरुग्राम–फरीदाबाद कॉरिडोर), ईवी चार्जिंग नेटवर्क, इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) और अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति देगा। हरियाणा में आईएमटी खरखोदा, मानेसर और अन्य क्षेत्रों में नए निवेश आएंगे, जिससे लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे। आरआईडीएफ और यूआईडीएफ में बढ़ोतरी से ग्रामीण और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूती मिलेगी।

स्किल डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी हब विकसित करने में सहायक होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 पर विशेष फोकस किया गया है। इससे हरियाणा के इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बड़ा लाभ मिलेगा। यह बजट नए निवेश, स्किल डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी हब विकसित करने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा प्रधानमंत्री को हलवारा हवाई अड्डे का नाम शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर रखने की अपील

हिन्द जनपथ
लुधियाना(ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज लुधियाना के हलवारा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टर्मिनल भवन के उद्घाटन के अवसर पर भारत सरकार से हवाई अड्डे का नाम महान शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर रखने की अपनी मांग दोहराई और कहा कि यह कदम भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे कम उम्र के नायकों में से एक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री ने केंद्र से मोहाली हवाई अड्डे से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में वृद्धि करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि पंजाब लगातार उस मोड़ की ओर बढ़ रहा है जहाँ इसके चारों हवाई अड्डों के नाम राज्य के महान गुरुओं और शहीदों के नाम पर रखे जाएंगे, जो आधुनिक बुनियादी ढांचे को राज्य की आध्यात्मिक और क्रांतिकारी विरासत से जोड़ेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हवाई अड्डे के वर्चुअल उद्घाटन के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू की उपस्थिति में यह मुद्दा उठाते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'शहीद करतार सिंह सराभा ने मात्र 19 वर्ष की उम्र में मातृभूमि के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। उनके महान बलिदान ने लाखों लोगों को ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया और शहीद-ए-आजम भगत सिंह भी उन्हें अपना रोल मॉडल मानते थे।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि हलवारा हवाई अड्डे का नाम शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर रखना इस महान शहीद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी जो इस क्षेत्र से जुड़े थे और एविएशन में करियर बनाने के लिए बर्कले यूनिवर्सिटी गए थे, लेकिन वापस आने के बजाय उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के लिए अपना जीवन समर्पित करने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा, 'पंजाब महान गुरुओं, पैगंबरों, संतों, पीरों और शहीदों की धरती है। इस पवित्र मिट्टी के कण-कण से उनकी कुर्बानियों की महक आती है।'

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यदि हलवारा हवाई अड्डे का नाम शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर रखा जाता है तो पंजाब के चार हवाई अड्डों में से दो का नाम सम्माननीय गुरुओं के नाम पर और दो का नाम शहीदों के नाम पर रखा जाएगा।

उन्होंने कहा, 'श्री गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अमृतसर और श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा, आदमपुर का नाम गुरुओं के नाम पर रखा गया है, जबकि शहीद भगत सिंह हवाई अड्डा, मोहाली और शहीद करतार सिंह सराभा हवाई अड्डा, हलवारा हमारे शहीदों की याद को समर्पित होगा।'

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्टर विजय पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे

में राज्य में सियासी हलचल तेज होने लगी है। बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को तमिलनाडु में चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, पीयूष गोयल ने अभिनेता से नेता बने विजय पर निशाना साधा है। एक्टर विजय के बारे में बात करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि उनकी एंट्री का विधानसभा चुनाव पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री के शब्दों में, हमने देखा है कि कई फिल्मी सितारे सत्ता के गलियारों में आए और चले गए। बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा, मुझे नहीं पता कि चुनाव पर वो कितना असर डाल सकेंगे। हमने पहले भी देखा है कि बहुत से फिल्म स्टार्स आए और चले गए। बड़ी फैन फॉलोइंग होना और उन फैंस को वोटर्स में तब्दील करना, दोनों अलग चीज है। सत्ताधारी डीएमके के खिलाफ लोगों में गहरा असंतोष है। ये सरकारी पूरी तरह से भ्रष्ट है। वहीं, उदयानिधि स्टालिन (तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री) न सिर्फ एंटी-तमिल बल्कि एंटी-इंडिया बातें भी बोल चुके हैं। वो जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, वो तमिल संस्कृति का हिस्सा नहीं है।

अब एक ही ऐप से बुक होंगे दोनों ट्रेनों के टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। एनसीआरटीसी और रेलवे ने एक पहल की है। इसमें एनसीआरटीसी के नमो भारत ऐप से भारतीय रेल के लिए और आईआरसीटीसी के मोबाइल ऐप से नमो भारत ट्रेनों के टिकट बुकिंग की सुविधा दी जा रही है। इसके लिए एनसीआरटीसी (नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन) और आईआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन) ने एक संयुक्त टिकटिंग प्रणाली शुरू की है। अधिकारियों के मुताबिक, इसके बाद अब यातायात के दोनों साधनों में यात्रा करने के लिए मोबाइल में अलग-अलग ऐप डाउनलोड नहीं करने पड़ेंगे। हाल ही में एनसीआरटीसी ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के साथ भी इसी तरह का सहयोग किया है। एनसीआरटीसी और डीएमआरसी के बीच एकीकृत टिकटिंग प्रणाली के तहत यात्री एक-दूसरे के मोबाइल ऐप के माध्यम से नमो भारत और दिल्ली मेट्रो के टिकट बुक कर सकते हैं। नमो भारत के यात्री एनसीआरटीसी के नमो भारत ऐप पर उपलब्ध आईआरसीटीसी आइकन पर क्लिक कर सीधे भारतीय रेल के टिकट बुक कर सकते हैं। वहीं, आईआरसीटीसी यात्री यदि दिल्ली को गंतव्य बनाकर ट्रेन टिकट बुक करते हैं तो वे आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट ऐप पर अपनी बुकिंग डिटेल खोलकर एनसीआरटीसी आइकन पर क्लिक कर नमो भारत का टिकट भी आसानी से बुक कर सकते हैं। यात्रियों को बार-बार अपनी जानकारी मोबाइल ऐप पर दर्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे लोगों का समय बचेगा और उन्हें परेशानी नहीं होगी। उदाहरण के तौर पर अगर नमो भारत ट्रेन के जरिए मेरठ से दिल्ली आने वाले किसी यात्री को आनंद विहार स्टेशन से अन्य शहर के लिए ट्रेन से यात्रा करनी है तो वह इसी एकीकृत प्रणाली के जरिए अपनी आगे की लंबी दूरी की यात्रा के लिए भारतीय रेल का टिकट आसानी से बुक कर सकता है। आनंद विहार स्थित नमो भारत स्टेशन पर पहुंचने के बाद वह रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर अपनी ट्रेन में सवार हो सकता है, जिससे पूरी यात्रा और अधिक सहज व सुविधाजनक हो जाती है। टिकट के लिए लंबी लाइन मे लगने की जरूरत नहीं होगी।

केंद्रीय बजट 2026-27 हिमाचल के लिए निराशाजनक और अन्यायपूर्ण

राजस्व घाटा अनुदान बंद करना संघीय ढांचे पर प्रहार

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा 2026-27 के लिए प्रस्तुत बजट स्पष्ट रूप से आम लोगों, मध्यम वर्ग, किसानों, बागवानों और विशेष रूप से पहाड़ी राज्यों की आवश्यकताओं के प्रति केंद्र सरकार की उदासीनता को उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोग इस बजट से निराश हैं। मध्यम वर्ग को आयकर में राहत की उम्मीद थी, लेकिन केंद्र सरकार ने बढ़ती महंगाई और आर्थिक दबावों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को राज्य-विशेष अनुदान दिए जाने का प्रावधान है, जिसे राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) कहा जाता है। वर्ष 1952 से लेकर 15वें वित्त आयोग के गठन तक केंद्र सरकार द्वारा ये अनुदान नियमित रूप से राज्यों को दिए जाते रहे हैं। लेकिन पहली बार 16वें वित्त आयोग ने इस अनुदान को बंद कर दिया है।

उन्होंने बताया कि 15वें वित्त आयोग के दौरान लगभग 37,000 करोड़ रुपये के राजस्व घाटा अनुदान दिए गए थे। उन्होंने यह भी स्मरण कराया कि 14वें वित्त आयोग की अवधि समाप्त होने के बाद, जब 15वें वित्त आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने में देरी हुई थी, तब भी पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर 11,431 करोड़ रुपये की सहायता राज्यों को प्रदान की गई थी।

इससे भी अधिक चिंताजनक है 16वें वित्त आयोग द्वारा हिमाचल प्रदेश जैसे छोटे और पहाड़ी राज्यों के लिए राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) की सिफारिश न करना। यह निर्णय राज्य की संरचनात्मक वित्तीय चुनौतियों, 67 प्रतिशत से अधिक वन एवं पारिस्थितिक आवरण, पर्वतीय क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति सेवा वितरण की अधिक लागत और हाल के वर्षों में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के प्राकृतिक आपदा नुकसान की घोर उपेक्षा है।

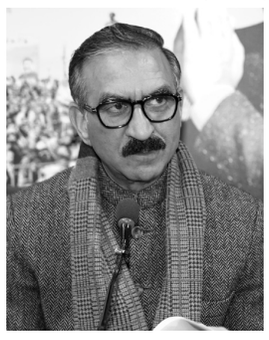

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि आरडीजी की समाप्ति से हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिरता, आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति और विकासात्मक निवेश गंभीर रूप से प्रभावित होंगे। इससे राज्य को सेवा वितरण और बढ़ते कर्ज के बीच कठिन निर्णय लेने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि बार-बार पक्ष रखने, विस्तृत ज्ञापन और तकनीकी प्रस्तुतियों के बावजूद केंद्र सरकार और वित्त आयोग ने हिमाचल प्रदेश की वास्तविकताओं को नजरअंदाज किया जो दुर्भाग्यपूर्ण है। यह स्थिति इस आशंका को और मजबूत करती है कि भाजपा शासित केंद्र सरकार कांग्रेस शासित राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

कृषि क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधान हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य के लिए अपर्याप्त हैं, जहां भौगोलिक परिस्थितियां और खेती की लागत देश के मैदानी राज्यों से बिल्कुल भिन्न हैं। सेब उत्पादक, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था में लगभग 5,000 करोड़ रुपये का योगदान देते हैं और हजारों परिवारों की आजीविका का आधार हैं, उन्हें इस बजट में कोई पहचान, कोई सहायता और कोई नीति समर्थन नहीं मिला। यह बागवानों के साथ सीधा अन्याय है और हिमाचल की आर्थिकी पर प्रहार है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन, हिमाचल प्रदेश की पहचान और रोजगार का प्रमुख स्रोत है, इस क्षेत्र के लिए बजट में कोई विशेष प्रावधान नहीं किया गया। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए बौद्ध सर्किट का प्रस्ताव स्वागत योग्य है, लेकिन विश्व-प्रसिद्ध बौद्ध स्थलों वाले हिमाचल प्रदेश को इससे बाहर रखना स्पष्ट भेदभाव को दर्शाता है। पर्वतीय मार्गों के विकास की घोषणा तो की गई है, लेकिन वास्तविक लाभ भविष्य के अस्पष्ट दिशा-निर्देशों पर छोड़ दिया गया है।

उन्होंने कहा कि रेलवे विस्तार जैसे भानुपल्लीदूबिलासपुर और बद्दीदूचंडीगढ़ जैसी महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए कोई आवंटन नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री ने ऋण सीमा को तीन प्रतिशत से बढ़ाकर चार प्रतिशत करने पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भले ही बजट में पूंजी निवेश की बात करे, लेकिन पहाड़ी राज्यों के लिए आपदा से सुरक्षा, सड़क-रेल कनेक्टिविटी, जलविद्युत, पर्यटन और जलवायु से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए कोई ठोस या विशेष सहायता दिखाई नहीं देती। हिमालयी राज्यों के लिए अलग आपदा जोखिम सूचकांक और पारिस्थितिक संकेतकों को वित्तीय संवितरण में प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी। केन्द्रीय बजट 2026द्27 हिमाचल प्रदेश के लिए न विकास का रास्ता दिखाता है, न न्याय का।

उन्होंने कहा कि राज्यों को दिए जाने वाले ब्याज-मुक्त ऋण की राशि 1.5 लाख करोड़ रुपये तक ही सीमित रखी गई है और इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। साथ ही, इससे जुड़ी कठोर शर्तें हिमाचल जैसे छोटे और पहाड़ी राज्यों के लिए अनुकूल नहीं हैं, क्योंकि यहां विकास की लागत अधिक होती है। इसके अलावा, जीएसटी मुआवजा बंद होने से राज्य को हर वर्ष भारी राजस्व नुकसान झेलना पड़ रहा है।

यह बजट जन-विरोधी, किसान-विरोधी और हिमाचल-विरोधी है। हिमाचल सरकार वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक दक्षता के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन केंद्र सरकार से अपेक्षा करती है कि वह राज्यों के साथ संवाद, संवेदनशीलता और सहयोगी संघीयता की भावना को अपनाए। हिमाचल प्रदेश को नजरअंदाज कर भारत का समावेशी विकास संभव नहीं है। प्रदेश और यहां के लोगों के प्रति अन्याय के खिलाफ राज्य सरकार अपनी आवाज मजबूती से उठाती रहेगी।

समता और सामाजिक न्याय के अग्रदूत थे गुरु रविदास जी : केवल सिंह पठानिया

सिहोलपुरी में 5 लाख से बनने वाले गुरु रविदास सामुदायिक भवन का शिलान्यास

शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के सिहोलपुरी में गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती के पावन अवसर पर शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने लगभग 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाले गुरु रविदास सामुदायिक भवन शाहपुर का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शिलान्यास किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए केवल सिंह पठानिया ने कहा कि यह सामुदायिक भवन चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा। प्रथम चरण में पहली मंज़िल का निर्माण किया जाएगा, जिसमें एक आधुनिक सभा भवन होगा। भवन परिसर में संत गुरु रविदास जी की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी तथा गुरु रविदास जी एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर से संबंधित साहित्य भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि भवन का स्थान सड़क किनारे एवं विधानसभा क्षेत्र के मध्य में स्थित होने के कारण भविष्य में इसका विस्तार किया जाएगा। आगामी चरणों में यहां बच्चों और युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी, ताकि विद्यार्थी यहां बैठकर अध्ययन कर सकें। उपमुख्य सचेतक ने इस सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने हेतु मुख्यमंत्री महोदय का आभार व्यक्त किया तथा रविदास सभा के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि प्रदेश अध्यक्ष द्वारा रखी गई सभी मांगों को वे मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से उठाएंगे। केवल सिंह पठानिया ने कहा कि संत गुरु रविदास जी भक्ति आंदोलन के प्रमुख आध्यात्मिक सुधारक थे। उन्होंने जाति व्यवस्था, ऊंच-नीच और भेदभाव के विरुद्ध आवाज़ बुलंद की और समाज को समता, प्रेम तथा मानवता का संदेश दिया। गुरु रविदास जी का स्पष्ट मत था कि मनुष्य की पहचान उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसके कर्म और चरित्र से होती है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी उनके समय में थी। उन्होंने वंचित और शोषित वर्गों को आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने की प्रेरणा दी और समाज को जोड़ने का कार्य किया। इससे पूर्व उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया सिहुवां पंचायत के छतरु में आयोजित गुरु रविदास जयंती समारोह में भी शामिल हुए। कार्यक्रम में रविदास सभा शाहपुर के प्रधान प्रभात ने मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया तथा गुरु रविदास जी के जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। रविदास सभा के प्रदेश अध्यक्ष पी.सी. भाटिया ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग नीरज जसवाल, तहसीलदार शाहपुर दीक्षांत ठाकुर, सहायक अभियंता जलशक्ति विभाग रज्जाक मोहम्मद, कनिष्ठ अभियंता लोक निर्माण विभाग ऋषभ , राजीव शर्मा, कांग्रेस नेता डीडी शर्मा, प्रधान सिहुवां अजय बबली , बंसी लाल, काली दास, पृथी चंद, हरिराम, प्रवीण, जीवन, संजय, अजीत, पूर्ण बुनकर, रघुबीर सिंह, ओंकार, करनैल, शंकर, करतार, कैप्टन विनय, विष्णु तथा राजकीय मिडल एवं प्राइमरी स्कूल सिंहोलपुरी के समस्त स्टाफ के अलावा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए रविदास सभा के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनवरी में सिर्फ दो दिन साफ हवा में सांस ले सके दिल्ली वाले, टूटा पिछले साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।
साल के पहले महीने जनवरी में सिर्फ दो दिन दिल्ली की हवा साफ रही। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि महीने के 29 दिनों में लोगों को प्रदूषित हवा में सांस लेनी पड़ी। इसमें से भी दो दिन तो ऐसे रहे जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया।

जहरीली हवा ने किया परेशान: राजधानी दिल्ली में जाड़े का यह मौसम प्रदूषण के लिहाज से खासा परेशान करने वाला रहा है। मानसून की वापसी के बाद से ही प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा और 14 अक्तूबर से हवा खराब श्रेणी में चली गई। इसके बाद लगभग 102 दिन तक वायु गुणवत्ता का स्तर खराब, बेहद खराब, गंभीर या फिर अति गंभीर श्रेणी में ही रहा। दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में हुई अच्छी बारिश के बाद 24 और 25 तारीख को वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से नीचे आया। इसके बाद से फिर हवा खराब या बहुत खराब श्रेणी में ही चल रही है। पिछले वर्ष भी जनवरी महीने में सिर्फ दो दिन हवा साफ रही थी। पर पिछले वर्ष जनवरी में गंभीर श्रेणी की हवा वाला कोई दिन नहीं था। इस तरह इस साल जनवरी का महीना पिछले साल से ज्यादा प्रदूषित है।

हवा धीमी होने से बढ़ रहा प्रदूषण: हवा की गति कम होने के चलते पिछले दो दिनों से प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी हो रही है। सीपीसीबी के मुताबिक शनिवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 315 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को बहुत खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले शुक्रवार को यह सूचकांक 253 के अंक पर रहा था। यानी चौबीस घंटे के अंदर सूचकांक में 62 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों का सूचकांक 300 से ऊपर है। जबकि, नेहरू नगर का सूचकांक शनिवार को चार बजे 408 के अंक पर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया।

तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लागू, घरेलू सिगरेट उद्योग में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली , एजेंसी।
तंबाकू उत्पादों और सिगरेट पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर आज से लागू हो जाएगा। यह अतिरिक्त शुल्क या स्वास्थ्य उपकर 40 प्रतिशत के उच्चतम जीएसटी से अतिरिक्त होगा। यह उपकर मौजूदा 28 प्रतिशत जीएसटी और मुआवजा उपकर का स्थान लेगा, एक जुलाई, 2017 से लागू था।

एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों के लिए एक नया अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी आधारित मूल्यांकन तंत्र पेश किया जाएगा, जिसके तहत घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर पैकेज पर जीएसटी निर्धारित किया जाएगा।

पान मसाला निर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के तहत नए पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। उन्हें सभी पैकिंग मशीनों पर कार्यशील सीसीटीवी स्थापित करना होगा और उसकी फुटेज को 24 महीने तक सुरक्षित रखना होगा। संशोधित केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के अनुसार, सिगरेट की लंबाई के आधार पर प्रति स्टिक 2.05-8.50 रुपये का उत्पाद शुल्क लगाया जा सके। छोटी नान-फिल्टर

सिगरेट पर लगभग 2.05 रुपये प्रति स्टिक का अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि छोटी फिल्टर सिगरेट पर लगभग 2.10 रुपये प्रति स्टिक का शुल्क लगेगा।

क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले वित्त वर्ष में अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगने के बाद घरेलू सिगरेट उद्योग में 6-8 प्रतिशत की गिरावट देखी जा सकती है। तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क से प्राप्त राजस्व राज्यों में वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार वितरित किया जाएगा।

साउथ दिल्ली से एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 जाना होगा आसान

नई दिल्ली, एजेंसी।
फेज चार में निर्माणाधीन गोल्डन लाइन (तुगलकाबाद-एरोसिटी) कॉरिडोर बनकर तैयार होते ही एरोसिटी दिल्ली मेट्रो का एक प्रमुख इंटरचेंज स्टेशन बन जाएगा। यह गोल्डन लाइन और एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के साथ इंटरचेंज स्टेशन होगा।

गोल्डन लाइन पर मेट्रो का परिचालन शुरू होने पर तुगलकाबाद, अंबेडकर नगर, खानपुर आदि क्षेत्रों के यात्री एरोसिटी में मेट्रो बदलकर आईजीआई टर्मिनल तीन तक आसानी से पहुंच सकेंगे। आगे चलकर एरोसिटी में नमो भारत का भी स्टेशन बनेगा। इसलिए एरोसिटी कुछ वर्षों में ट्रिपल इंटरचेंज हब स्टेशन के रूप में विकसित होगा। मौजूदा समय में एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर एरोसिटी मेट्रो स्टेशन है। फेज चार में तुगलकाबाद से एरोसिटी के बीच 23.622 किलोमीटर लंबी गोल्डन लाइन का निर्माण चल रहा है। इसका निर्माण इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस कॉरिडोर पर एरोसिटी में नया भूमिगत मेट्रो स्टेशन बनाया जा रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के प्रधान अधिशासी निदेशक (जनसंपर्क) अनुज दयाल ने बताया कि निर्माणाधीन एरोसिटी स्टेशन सामान्य इंटरचेंज स्टेशनों की तुलना में बड़ा होगा। इसकी लंबाई करीब 290 मीटर होगी। सामान्य तौर पर इंटरचेंज स्टेशन की लंबाई करीब 260 मीटर होती है। यह बनकर तैयार होने पर एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन व गोल्डन

लाइन के बीच प्लेटफॉर्म से प्लेटफॉर्म और कॉनकोर्स से कानकोर्स की कनेक्टिविटी मिलेगी। नए स्टेशन का प्लेटफॉर्म सतह से 22 मीटर की गहराई में बनाया जा रहा है।

एनसीआरटीसी का दिल्ली-अलवर कॉरिडोर भी एरोसिटी से होकर गुजरेगा। इसलिए इस कॉरिडोर पर भी एरोसिटी में स्टेशन बनेगा। डीएमआरसी का कहना है कि गोल्डन लाइन का स्टेशन व एनसीआरटीसी का प्रस्तावित कॉरिडोर एरोसिटी में एक दूसरे को तिरछी दिशा में क्रॉस करेंगे। इसलिए आवश्यक ढांचागत प्रावधान पहले से ही स्टेशन में शामिल किए जाएंगे। हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्माणाधीन गोल्डन लाइन का एरोसिटी से एयरपोर्ट टर्मिनल-एक तक विस्तार करने की स्वीकृति दी है। यह कॉरिडोर बनकर तैयार होने पर एयरपोर्ट टर्मिनल एक वर्तमान मजेंटा लाइन (बोटेनिकल गार्डन-कृष्णा पार्क एक्सटेंशन) के साथ इंटरचेंज स्टेशन होगा। तब तब गोल्डन लाइन के दक्षिणी दिल्ली में स्थित स्टेशनों से एयरपोर्ट टर्मिनल एक के लिए सीधी मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी।

आप के पूर्व एमएलए नरेश बालियान की एक मांग मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक नरेश बालियान को एक बड़ी सहूलियत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने नरेश बालियान को मंडोली जेल में अपने परिवार से हफ्ते में दो बार 5 मिनट के लिए फोन पर बात करने की इजाजत दे दी है। मंडोली जेल में बंद नरेश बालियान ने अदालत से ई-मुलाकात की जगह एक और फोन कॉल करने की आजादी मांगी थी। नरेश बालियान एक मकोका केस में न्यायिक हिरासत में हैं। विशेष अदालत के जज विशाल गोगने ने वकील की दलीलें सुनने के बाद नरेश बालियान को हफ्ते में दो बार 5 मिनट के लिए अपने परिवार से फोन पर बात करने की इजाजत प्रदान कर दी। इससे पहले नरेश बालियान को जेल से ही हफ्ते में एक कॉल और एक ई-मुलाकात की सुविधा प्रदान की गई थी। हालांकि जेल अधिकारियों ने नरेश बालियान की मांग वाली याचिका का विरोध किया था। नरेश बालियान और उनके वकील ने कहा कि तकनीकी दिक्कतों के कारण ई-मुलाकात अधिक असरदार नहीं होती या हो ही नहीं पाती है। विशेष अदालत ने 30 जनवरी को आदेश दिया कि दलीलों और पूर्व के आदेश को देखते हुए आवेदक नरेश बालियान को जेल परिसर से प्रचलित नियमों के अनुसार, परिवार के सदस्यों के साथ हफ्ते में दो बार टेलीफोन पर बातचीत करने की इजाज़त दी जाती है। अदालत ने यह भी कहा कि हर बातचीत 5 मिनट की होगी।

काली थार खरीदने का अजीब जुनून! चार नाबालिगों ने पड़ोसी के घर से उड़ाए 20 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी।
चार नाबालिग दोस्तों ने काले रंग की थार खरीदने के लिए पड़ोसी के घर से 20 लाख रुपये चोरी कर लिए। हालांकि, वाहन खरीदने से पहले ही पुलिस ने शनिवार को इन्हें पकड़ लिया। आरोपियों से चोरी की गई पूरी रकम भी बरामद कर ली। थार खरीदने के लिए नाबालिगों द्वारा चोरी करने का जिले में यह पहला मामला है।

जेवर कोतवाली पुलिस के मुताबिक कस्बे के मोहल्ला बनी इसराइल में पार्श्व कुमार परिवार के साथ रहते हैं। पार्श्व ने बताया कि शुक्रवार सुबह परिवार के लोग किसी काम से घर से बाहर गए थे। रात करीब आठ बजे वह जिम के लिए निकल गया। रात करीब पौने दस बजे जब वह वापस लौटा तो चोरी की घटना का पता चला। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। जेवर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी और आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने घर से चोरी की गई रकम भी बरामद कर ली। पुलिस ने बताया कि चार नाबालिक लड़के दीवार फांदकर घर में घुसे और अलमारी में रखे बीस लाख रुपये चोरी कर फरार हो गए। चारों को पुलिस अभिरक्षा में ले लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें काले रंग की थार खरीदनी थी, इसलिए चोरी की।

पीड़ित किसान ने पुलिस को बताया कि उन्हें अपना मकान बनवाना था। इसके लिए रुपये की जरूरत थी। इसके चलते उन्होंने अपना खेत बेचा। मकान बनाने का काम शुरू नहीं हुआ था, इस कारण रकम घर में ही अलमारी में रख दी। उन्हें नहीं पता था कि घर से रकम चोरी हो जाएगी। पीड़ित ने चोरी की घटना का खुलासा करने पर पुलिस का आभार व्यक्त किया है। जेवर कोतवाली पुलिस ने शनिवार को पकड़े गए चारों नाबालिग दोस्तों को किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया। न्यायालय द्वारा सभी नाबालिग दोस्तों को अभिरक्षा में बाल सुधार गृह भेज दिया गया। नाबालिग आरोपियों पर किशोर न्याय बोर्ड में मुकदमा चलेगा। पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पीड़ित के घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में पड़ोस में रहने वाला एक नाबालिग दिखाई दिया। उसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई तो घटना का खुलासा हो गया। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर वीडियो देकर नाबालिग आरोपियों को काली थार खरीदने का जुनून सवार हुआ।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। * सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg 1610@gmail.com

न्यूज डायरी

'गैंगस्टरां ते वार' का 13वाँ दिन: पंजाब पुलिस ने 767 स्थानों पर की छापेमारी; 148 व्यक्ति 4 हथियारों समेत काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के 13वें दिन पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के पहचाने गये और मैप किए गए 767 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक मुहिम है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) पंजाब के पूर्ण समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाइयाँ कर रही हैं।

'गैंगस्टरां ते वार' के 13वें दिन पुलिस टीमों ने 148 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चार हथियार बरामद किए, जिसके साथ मुहिम की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 4,061 हो गई है।

इसके अलावा 178 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 291 व्यक्तियों को तफ्तीश और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 14 भगोड़े अपराधियों (पी.ओज.) को भी गिरफ्तार किया है।

उन्होंने कहा कि लोग गुप्त रूप से वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से रिपोर्ट कर सकते हैं और किसी भी प्रकार के अपराध व आपराधिक गतिविधियों की सूचना/जानकारी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी जंग जारी रखते हुए 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' मुहिम के 337वें दिन 73 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 2.8 किलो हेरोइन, 252 ग्राम अफीम, 386 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 14,730 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इस तरह केवल 337 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 47,355 हो गई है। नशा छुड़ाऊ मुहिम के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 30 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

रजिस्ट्रेशन को लेकर लोगों में भारी उत्साह, सरकार ने किए पुख्ता इंतज़ाम : विधायक कुलवंत सिंह

हिन्द जनपथ

साहिबजादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य स्कीम के तहत आज एक रजिस्ट्रेशन कैंप पार्षद सुखदेव सिंह पटवारी की अगुवाई में लगाया गया। कैंप में बड़ी संख्या में लोग स्कीम का लाभ उठाने के लिए उत्साहपूर्वक पहुंचे।

इस अवसर पर मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कार्ड बनवाने को लेकर किसी भी प्रकार की घबराहट न करें और "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर शांतिपूर्वक रजिस्ट्रेशन करवाएं।

विधायक कुलवंत सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य स्कीम से संबंधित रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अभी पहले चरण में है। आने वाले समय में न केवल इसकी गति तेज़ की जाएगी, बल्कि रजिस्ट्रेशन सेंटरों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, जिससे बड़ी संख्या में कार्ड बनाए जा सकें। उन्होंने कहा कि कार्ड बनने में भले ही थोड़ा समय लगे, लेकिन एक बार रजिस्ट्रेशन हो जाने के बाद संबंधित व्यक्ति रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज करवा सकेगा।

उन्होंने कहा कि यह देश की पहली ऐसी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम है, जिसके तहत 10 लाख रुपये तक का इलाज पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध कराया जाएगा। विधायक ने आगे बताया कि जिन लोगों के कार्ड कैंपों में नहीं बन पाएंगे, उनके कार्ड यूथ डेवलपमेंट बोर्ड के सदस्यों और आम आदमी पार्टी के ब्लॉक प्रधानों द्वारा घर-घर जाकर बनाए जाएंगे। कुलवंत सिंह ने कहा कि लोगों को इस स्कीम के प्रति और अधिक जागरूक करने तथा रजिस्ट्रेशन बढ़ाने के उद्देश्य से गांवों और शहरों के विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से कैंप लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा विधानसभा चुनावों के दौरान जनता से किए गए वादों और गारंटियों को एक-एक कर पूरा किया जा रहा है।

संतों के मार्गदर्शन में कोई लक्ष्य असंभव नहीं होता - कृष्ण बेदी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के प्रकाशोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वामी नितानंद जी का यह धाम अध्यात्मिक चेतना से जोड़ता है। जटेला धाम की यह पवित्र तपोभूमि संतों के आशीर्वाद से अध्यात्मिक केंद्र के रूप में पहचान स्थापित कर रही है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रविवार को झज्जर के गांव माजरा दूबलधन स्थित तपोभूमि जटेला धाम स्वामी नितानंद जी महाराज के आश्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जब संत मार्गदर्शन करते हैं तो समाज सही दिशा में चलता है और कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। स्वामी नितानंद जी महाराज जैसे महान संतों की बदौलत ही मजबूत भारत हमें मिला है। उन्होंने कहा कि स्वामी नितानंद महाराज जी के जीवन मूल्यों को धारण करते हुए समाज के हर वर्ग को आगे आना चाहिए। स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के मिशन में निरंतर कार्य कर रहा है।

कैबिनेट मंत्री श्री बेदी ने कहा कि स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन के सान्निध्य में 225 बेड का आयुर्वेद चिकित्सालय मानवता की सेवा का उच्च स्तर का संस्थान बन रहा है। इस संस्थान के बनने के बाद क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित होने वाले इस संस्थान से झज्जर ही नहीं बल्कि साथ लगते क्षेत्रों के लोगों भी स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। हरियाणा सरकार भी निरंतर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार कर रही है। हर जिले में आधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल तैयार किए जा रहे है।

उन्होंने निर्माणाधीन आयुर्वेदिक अस्पताल के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 11 लाख रुपए देने की घोषणा की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महंत राजेंद्र दास महाराज जी ने कहा कि स्वामी नितानंद समाज के महान स्तंभ थे जो समाज को सदैव प्ररेणा देते रहेंगे। ऐसे संतों के विचारों पर चलते हुए समाज आगे बढ़ता है।

केंद्रीय बजट 2026-27 ग्रामीण भारत, पंचायती राज को मज़बूत करेगा: कृष्ण लाल पंवार

चंडीगढ़- हरियाणा के विकास और पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने आज लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत किया है । उन्होंने कहा कि यह बजट जन-केंद्रित और दूरदर्शी है, जिसका लक्ष्य 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना और विकसित भारत@2047 के लक्ष्य के अनुरूप समाज के हर वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए है।

वित्त मंत्री और उनकी टीम के समर्पण और दूरदर्शिता की प्रशंसा करते हुए श्री पंवार ने कहा कि ग्रामीण सशक्तिकरण और ग्राम स्वशासन से संबंधित केंद्रीय बजट के मुख्य प्रावधान महात्मा गांधी के आदर्शों और दृष्टिकोण से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि बजट में घोषित 'महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल' खादी और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने और गांवों में उद्योगों को मज़बूत करने में मदद करेगी। इससे खादी वस्त्रों के उत्पादन में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से पारंपरिक बुनकरों को फायदा होगा और युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर भी पैदा होंगे। विकास और पंचायत मंत्री ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी भी आगामी बजट 2026-2027 आवंटित करते समय विकास और पंचायत विभाग पर विशेष ज़ोर देंगे।

केंद्रीय बजट पर आम आदमी पार्टी पंजाब की प्रतिक्रिया

केंद्रीय बजट ने पंजाब को फिर निराश किया है: मुख्यमंत्री भगवंत मान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि केंद्रीय बजट एक बार फिर पंजाब की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों के लिए एमएसपी की कोई गारंटी नहीं है, युवाओं के लिए रोज़गार का कोई भरोसा नहीं है और उद्योगों या टैक्स प्रणाली को कोई राहत नहीं दी गई है। केंद्र ने पंजाब की आर्थिकता को मज़बूत करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं, जिससे राज्य और यहां के लोगों के साथ एक बार फिर नाइंसाफ़ी हुई है।

सीएम मान ने कहा कि पंजाबी मेहनती और जज्बे वाले हैं और केंद्र की बार-बार अनदेखी के बावजूद आप सरकार और पंजाब के लोग एकजुट होकर अपने दम पर पंजाब को आर्थिक रूप से मज़बूत बनाएंगे।

केंद्रीय बजट ने पंजाब और हरियाणा के किसानों को फिर दिया धोखा: हरपाल चीमा

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने एक बार फिर पंजाब और हरियाणा के किसानों की जायज़ चिंताओं को नज़रअंदाज़ किया है, जिससे किसान-हितैषी होने के उसके खोखले दावों की पोल खुल गई है। चीमा ने बताया कि एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है और न ही मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने के लिए कोई ठोस मदद की गई है, जिससे कृषि प्रधान राज्यों को अपने भरोसे छोड़ दिया गया है।

उन्होंने कहा कि पंजाब का किसान देश का पेट भरता है, फिर भी केंद्र सरकार उन प्रणालियों में निवेश को लेकर उपेक्षा कर रही है, जो खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। वित्त मंत्री ने अधिक कीमत वाली फसलों को बढ़ावा देने के लिए अपनाए गए चयनात्मक पहुँच की भी आलोचना की। जबकि बजट में नारियल, काजू, चंदन और सूखे मेवे जैसी फसलों का ज़िक्र है, लेकिन उत्तर भारत के किसानों के लिए कुछ नहीं है जो अपने खेतीबाड़ी के मौसम के हिसाब से फसलों पर निर्भर करता हैं।

हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह बजट स्पष्ट तौर पर केंद्र के भेदभाव और अनाज पैदा करने वाले राज्यों, खासकर पंजाब के किसानों के प्रति उसकी लगातार उदासीनता को दिखाता है। ये किसान सम्मान, सहयोग और सही उचित निवेश के हकदार हैं, खोखले नारों के नहीं।

केंद्रीय बजट ने पंजाब के अन्नदाता से मुंह मोड़ा: कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां

पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां ने केंद्रीय बजट की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि देश का अन्न भंडार भरने के बावजूद, पंजाब के किसानों के हाथ एक बार फिर खाली रह गए हैं। उन्होंने कहा कि बजट में गेहूं और धान के अलावा एमएसपी के लिए कोई साफ़ रोडमैप नहीं दिया गया, जो किसानों की आय को सुरक्षित करने के प्रति केंद्र की गंभीरता की कमी को दिखाता है।

खुडियां ने इशारा किया कि फ़सल डाइवर्सिफिकेशन के लिए कोई ठोस पैकेज नहीं दिया गया, जो पंजाब में टिकाऊ कृषि के लिए बहुत ज़रूरी है, और न ही बार-बार आने वाली बाढ़ से प्रभावित किसानों को कोई आर्थिक सहायता दी गई। उन्होंने दावा किया कि केंद्र ने एक बार फिर देश के अन्नदाताओं की मुश्कलों को नज़रअंदाज़ करके और खोखले वादे करके उनसे मुंह मोड़ लिया है।

केंद्रीय बजट लोगों के लिए सिर्फ निराशा लेकर आया: अमन अरोड़ा

मंत्री अमन अरोड़ा ने संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हर साल की तरह इस बार भी इसने देश के लोगों को बहुत निराश किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने के लिए बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन बजट में किसानों, युवाओं, महिलाओं या आम नागरिकों के लिए कोई भी सार्थक कदम नहीं उठाया गया।

अरोड़ा ने विशेष तौर पर कहा कि पंजाब के साथ एक बार फिर सौतेली माँ जैसा बर्ताव किया गया है। आज़ादी से लेकर देश का पेट भरने तक और मुश्किल समय में हमेशा सबसे आगे रहने में पंजाब के ऐतिहासिक योगदान के बावजूद, राज्य के लिए कोई बड़े प्रोजेक्ट का कोई प्रबंध नहीं किया गया।

PM मोदी का पंजाब दौरा, डेरा सचखंड बल्लां में कार्यक्रम में पहुंचे, हलवारा एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया

जालंधर- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जालंधर जिले के डेरा सचखंड बल्लां पहुंच गए हैं। यह उनका सितंबर पिछले वर्ष के बाद पंजाब का पहला दौरा है। वे यहां गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए हैं। उन्होंने आदमपुर हवाई अड्डे का नाम बदलकर श्री गुरु रविदास जी हवाई अड्डा करने की नाम पट्टिका का व हलवारा हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर आदमपुर एयरपोर्ट का नाम गुरु रविदास के नाम पर रखने से संबंधित पट्टिका का अनावरण किया और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हलवारा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन भी किया।

वहीं, प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर 26 जिलों से लगभग 8,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। यह 5 जनवरी 2022 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का पंजाब का तीसरा दौरा है।

उल्लेखनीय है कि जनवरी 2022 में उनका दौरा एक बड़े सुरक्षा चूक के कारण बीच में ही रोकना पड़ा था। इसके बाद वे मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आदमपुर एयर बेस पहुंचे थे और सितंबर 2025 में गुरदासपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने आए थे।

युवा लेखिका प्राची शर्मा की पुस्तक 'ईस्ट डायरेक्शन' का भव्य लोकार्पण, चंडीगढ़ के मेयर सौरव जोशी रहे मुख्य अतिथि

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आज चंडीगढ़ में युवा लेखिका प्राची शर्मा की प्रेरणादायी पुस्तक "East Direction – From Where Your Inner Sun Rises" का सफलतापूर्वक लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के माननीय मेयर श्री सौरव जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पुस्तक का लोकार्पण करते हुए मेयर सौरव जोशी ने कहा कि "प्राची शर्मा ने बेहद निर्भय होकर यह किताब लिखी है। इसकी थीम न केवल सकारात्मक है बल्कि युवाओं को आत्मचिंतन और आत्मविकास की दिशा दिखाती है। किताब की कंटेंट बहुत शानदार है और यह आज के समय के बच्चों और युवाओं के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है।"

मेयर जोशी ने आगे कहा कि ऐसी प्रेरणादायक पुस्तकों को स्कूल स्तर तक पहुँचाया जाना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर चंडीगढ़ के शिक्षा निदेशक (Education Director) से भी आग्रह किया कि इस पुस्तक को चंडीगढ़ के विभिन्न स्कूलों में बच्चों तक पहुँचाने और वितरित करने की संभावनाओं पर विचार किया जाए, ताकि विद्यार्थी इससे प्रेरणा ले सकें।

'ईस्ट डायरेक्शन' पुस्तक भावनाओं, जीवन के विभिन्न चरणों और आत्म-विकास के अनुभवों का सुंदर संगम है। यह पुस्तक पाठकों को यह संदेश देती है कि हर व्यक्ति के भीतर एक सूरज उगता है, बस सही दिशा पहचानने की जरूरत होती है।

पुस्तक के विमोचन के अवसर पर उपस्थित अतिथियों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों ने भी प्राची शर्मा के प्रयासों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधायक कुलवंत सिंह विभिन्न गांवों व शहरी क्षेत्रों में धार्मिक समागमों के दौरान हुए नतमस्तक

हिन्द जनपथ

साहिबजादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। श्री गुरु रविदास जी महाराज के 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर अलग-अलग गुरुद्वारों और धर्मशालाओं में आयोजित धार्मिक समागमों के दौरान विधायक मोहाली कुलवंत सिंह नतमस्तक हुए।

विधायक कुलवंत सिंह ने गांव लखनौर, गांव कैलों की धर्मशाला, गांव धुराली, गुरुद्वारा साहिब गांव रायपुर खुर्द, गुरुद्वारा भगत रविदास जी (ऊपरला मोहल्ला) गांव मौली बैदवाण, गांव कुंबड़ा, गुरुद्वारा श्री डेरा साहिब गांव सोहाणा, फेज-7 मोहाली तथा धर्मशाला गांव मटौर में आयोजित धार्मिक समागमों में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने संगतों के समक्ष बैठकर गुरु रविदास जी की बाणी एवं गुरु विचार सुने।

समागमों के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महाराज का प्रकाश पर्व आज देश-विदेश में बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष से श्री गुरु रविदास जी का प्रकाश पर्व सरकारी स्तर पर मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज वे 10 से 12 धार्मिक कार्यक्रमों में शिरकत करने के उपरांत फेज-7 में आयोजित इस समागम में पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि सुबह से ही सभी गुरुद्वारा साहिबानों में श्री गुरु रविदास जी की बाणी का प्रवाह चल रहा है, जगह-जगह लंगर लगाए गए हैं और संगतों द्वारा श्रद्धा के साथ गुरबाणी का पाठ व श्रवण किया जा रहा है।

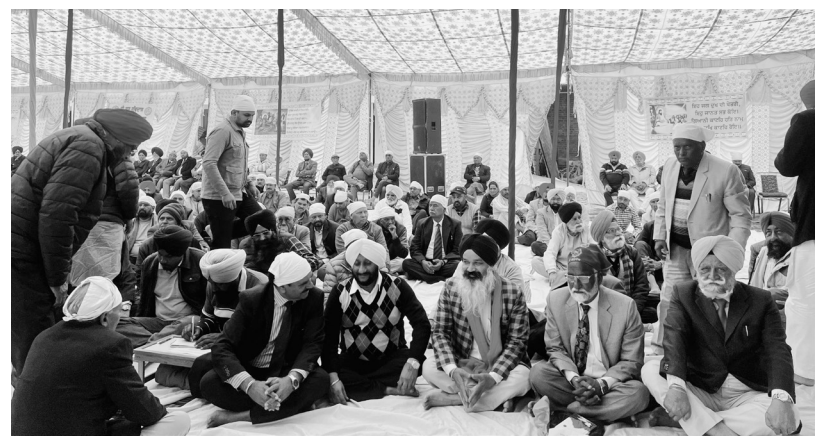

विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महाराज का 649वां प्रकाश पर्व संगतों द्वारा बड़े ही श्रद्धा भाव और धूमधाम से मनाया जा रहा है। उन्होंने परमात्मा के समक्ष अरदास की कि वह सभी को गुरु रविदास जी द्वारा रचित बाणी के अनुसार जीवन जीने की सुमति प्रदान करें तथा समाज को सुख, शांति और आत्मिक आनंद की प्राप्ति हो। उन्होंने कहा कि प्रकाश पर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में संगतों के बीच उत्साह देखते ही बनता था।

इस अवसर पर कुलदीप सिंह समाणा, डॉ. कुलदीप सिंह, अवतार सिंह मौली, आर.पी. शर्मा, सुरिंदर सिंह रोडा, सुखचैन सिंह, गुरप्रीत सिंह चहल, अकविंदर सिंह गोसल (चेयरमैन, ट्रेड विंग मोहाली) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

पीर मुछल्ला में भव्य धर्म सम्मेलन का आयोजन, सनातन धर्म, एकता और सेवा का दिया संदेश

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पीर मुछल्ला में आज धर्म सेवा समिति के तत्वावधान में एक भव्य धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। सम्मेलन में स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती, महामंत्री अखिल संत समिति एवं मुख्य वक्ता नरेश विभाग प्रचारक,तमन्ना जी प्रवक्ता ने विशेष रूप से भाग लिया और संतों की वाणी के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों, संस्कृति और जीवन मूल्यों से अवगत कराया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी पहुंचे। उन्होंने संत समाज का आशीर्वाद लिया और कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने, संस्कारों को सुदृढ़ करने और देश को सही दिशा देने का कार्य करते हैं।

इस भव्य धर्म सम्मेलन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध भजन मंडलियों द्वारा भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए गए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए।

धर्म सेवा समिति द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में संत-महात्माओं ने सनातन धर्म के प्रचार, सामाजिक समरसता तथा देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। संतों ने समाज से आह्वान किया कि वह अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए एकजुट होकर आगे आए।

धर्म सेवा समिति के प्रधान विजय गोयल ने बताया कि इस भव्य संत सम्मेलन का उद्देश्य सनातन धर्म के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। साथ ही उन्होंने कहा कि बंगाल में हिंदुओं के साथ हो रही घटनाओं को लेकर समाज को जागरूक करना और धर्म के प्रति लोगों की आस्था को मजबूत करना भी इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य रहा।

सम्मेलन में सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए चाय और पकोड़ों का लंगर भी लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। लंगर व्यवस्था की सभी ने सराहना की।

इस अवसर पर धर्म सेवा समिति के सदस्य कुलभूषण, सुरेंद्र गोयल ,परवीन गर्ग,विजय मेहता, रजनीश वत्स, रमेश कौशिक,नरेश चावला,रमेश वाधवा,सतपाल बंसल,प्रदीप शर्मा,राजेश अग्रवाल,सदानंद वाधवा,विनोद गर्ग,रवींद्र वर्मा,सहित कई गणमान्य व्यक्ति, समाजसेवी और श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजकों ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया

योगेंद्र शर्मा दीपक गर्ग के घर पहुंचे, चुनावी रणनीति और बजट पर हुई अहम चर्चा

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। भाजपा युवा प्रदेश अध्यक्ष योगेंदर शर्मा आज भाजपा के मीडिया सह प्रभारी दीपक गर्ग के निवास पर पहुंचे। इस अवसर पर दीपक गर्ग ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। मुलाकात के दौरान भाजपा के कई वरिष्ठ एवं युवा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, जिससे बैठक का माहौल उत्साहपूर्ण और संगठनात्मक ऊर्जा से भरपूर रहा।

बैठक के दौरान आगामी चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। योगेंदर शर्मा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी सक्रियता के साथ पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाएं और चुनावी तैयारियों में जुट जाएं। इसके साथ ही आज संसद में प्रस्तुत किए गए बजट पर भी खुलकर विचार-विमर्श हुआ। भाजपा नेताओं ने बजट को विकासोन्मुखी बताते हुए कहा कि यह बजट युवाओं, किसानों, व्यापारियों और मध्यम वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बजट पेश होने पर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी गईं और इसे देश व प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

बैठक के अंत में संगठनात्मक एकजुटता को और मजबूत करने तथा भविष्य की रणनीति पर लगातार संवाद बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

इस मौके पर सुरेश अग्रवाल मुकेश सिंगला,तेजिंदर टोनी, सुमित दहिया, मुकेश जिंदल, टेकचंद सिंगल, संजय, व अन्य वार्ड के लोग उपस्थित हुए

एमसीएम ने छात्राओं में वित्तीय साक्षरता को सुदृढ़ करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में 'सेबी इन्वेस्टर सर्टिफिकेशन एग्जामिनेशन' शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय प्रतिभूति बाजार के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा छात्राओं में वित्तीय साक्षरता को प्रोत्साहित करना था।

कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति निवेशक शिक्षा एवं जागरूकता पहल, कृषा फाउंडेशन के प्रमुख श्री विराज सिंगल, रहे। इस व्यापक कार्यशाला में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ), लॉट के माध्यम से निवेश, न्यूनतम निवेश आवश्यकताएँ एवं खुदरा निवेशकों की सीमा, बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया, म्यूचुअल फंड के प्रकार एवं नवीन योजनाएँ, प्रतिफल का अनुमान और उससे जुड़े जोखिम, तथा सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) और सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) की विशेषताएँ एवं लाभ जैसे प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला के दौरान न्यू फंड ऑफर (एनएफओ), मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशन्स, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स (एनआईएसएम) की भूमिका, तथा सेबी की डिजिटल निवेशक सहायता पहलों—सार्थी, इन्वेस्टर एजुकेशन ऐप, और स्कोर्स अर्थात सेबी की निवेशक शिकायत निवारण प्रणाली—के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज (एमएसई) तथा उसकी ट्रेडिंग प्रणाली पर भी प्रकाश डाला गया।

श्री सिंगल ने छात्राओं को एनआईएसएम वीए श्रृंखला के प्रमाणन कार्यक्रमों के बारे में मार्गदर्शन दिया तथा बताया कि ये प्रमाणपत्र एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में रोजगार के अवसर खोलने के साथ-साथ म्यूचुअल फंड व्यवसाय में उद्यमिता को भी प्रोत्साहित कर सकते हैं। इस कार्यशाला में 80 से अधिक छात्राओं ने सहभागिता की और इससे लाभान्वित हुईं। इस पहल की सराहना करते हुए कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने कहा कि आज के गतिशील वित्तीय परिवेश में यह अत्यंत आवश्यक है कि छात्राओं को सुदृढ़ वित्तीय ज्ञान और नियामक ढाँचों की समझ से सशक्त किया जाए।

पंजाब के कृषि मंत्री ने केंद्रीय बजट पर जताई निराशा, पंजाब और किसानों को अनदेखा करने का दिया हवाला

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने केंद्रीय बजट पर गहरी निराशा और चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस बजट में पंजाब और यहां के किसानों की महत्वपूर्ण जरूरतों को नजरअंदाज किया गया है।

केंद्रीय बजट पर पूछे सवालों के जवाब देते हुए स. खुड्डियां ने कहा, "वास्तविक प्रभाव तब पता चलेगा जब प्रस्तावों का विस्तार से खुलासा होगा। हालांकि, मुझे पूरा संदेह है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पंजाब और किसानों के लिए कुछ भी लाभकारी नहीं किया है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब को लगातार भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। बड़े पैमाने पर बाढ़ की मार झेलने के बाद भी, मांगा गया केंद्रीय राहत पैकेज कभी भी राज्य को नहीं दिया गया।

कृषि संकट के बारे में विस्तार से बताते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है, लेकिन बजट इस क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों को हल करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा, "हर चीज की कीमत आसमान छू रही है - डीजल, खाद, कीटनाशक - लेकिन बजट में इस संबंध में कोई राहत नहीं दिखती। हमें सभी फसलों के लिए समर्पित वितरण या अधिक एमएसपी की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।"

संपादकीय

6.8 से 7.2 फीसदी की ग्रोथ, लेकिन राह आसान नहीं

हर साल संसद में पेश होने वाली आर्थिक समीक्षा आमतौर पर इस बात का ब्योरा होती है कि पिछले बजट में देश की अर्थव्यवस्था और अन्य मोर्चे पर सुधार के लिए जो वादे किए गए थे, वे किस हद तक पूरे किए जा सके। यह इसका भी संकेत होता है कि अगले वित्त वर्ष में सरकार के आर्थिक फैसलों में किन मसलों को प्राथमिकता मिल सकती है। इस लिहाज से देखें, तो वित्त मंत्री ने जो आर्थिक समीक्षा पेश की है, वह देश की परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ी हो रही आर्थिक चुनौतियों के बीच उम्मीद जगाती है, लेकिन यह आने वाले वक्त के जोखिमों के प्रति आगाह भी करती है। समीक्षा में वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 6.8 फीसद से 7.2 फीसद के बीच रहने का अनुमान जताया गया है। विदेशी पूंजी प्रवाह में कमी के कारण रुपए पर प्रतिकूल असर और बीते वर्ष भारतीय मुद्रा में कमजोरी के बावजूद यह अनुमान अर्थव्यवस्था में स्थिरता का संकेत देता है। हालांकि समीक्षा में विकसित भारत और वैश्विक प्रभाव का लक्ष्य हासिल करने के उद्देश्य से मजबूत और स्थिर मुद्रा को एक स्वाभाविक जरूरत बताने के समांतर रुपए के मूल्य में गिरावट को हानिकारक नहीं माना गया, क्योंकि यह भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क में इजाफे के असर को कुछ हद तक कम करता है। दूसरी ओर, यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर यह उम्मीद जताई गई है कि यह भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मक, निर्यात और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के मुताबिक, अनिश्चित वैश्विक माहौल में भारत को घरेलू वृद्धि को प्राथमिकता देने की जरूरत है और इसके लिए वित्तीय सुरक्षा उपायों और नकदी पर ज्यादा जोर देना चाहिए। समीकरण और भू-राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए अपने हितों के अनुकूल उपाय करने होंगे। आर्थिक समीक्षा में नवोन्मेष और वैश्विक पहलकदमियों को कमजोर किए बिना दक्षता और स्वदेशी को अपनाने का आह्वान किया गया है।

वैश्विक स्तर पर टैरिफ, व्यापार अवरोध और संरक्षणवाद की प्रवृत्तियां भारत के लिए चुनौती भी हैं और अवसर भी। अजय बंगा का यह कथन कि टैरिफ पर अधिक चिंता करने के बजाय व्यापारिक अवसरों पर ध्यान दिया जाना चाहिए, भारत की वर्तमान स्थिति के लिए उपयुक्त दृष्टि प्रदान करता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद के पटल पर प्रस्तुत किया जाने वाला बजट केवल आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि वह देश की आर्थिक दिशा, सामाजिक प्राथमिकताओं और भविष्य की संभावनाओं का दर्पण होता है। आज जब भारत एक ओर तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में विश्व मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

आर्थिक सर्वेक्षण से बजट तक- भविष्य के भारत की तलाश

(ललित गर्ग)

दूसरी ओर वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, जलवायु संकट और तकनीकी परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब यह बजट और भी अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। व्यक्तिगत नागरिक से लेकर व्यापारी, उद्योगपति, किसान, श्रमिक, युवा और मध्यम वर्ग-सभी की निगाहें इस बजट पर टिकी हैं, क्योंकि इससे न केवल वर्तमान वर्ष की आर्थिक तस्वीर, बल्कि भविष्य के भारत की झलक भी मिलती है।

बजट से पूर्व प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण ने सरकार की सोच और नीति-दृष्टि के कई संकेत दिए हैं। इसमें विकास को केवल आंकड़ों की वृद्धि तक सीमित न रखकर अवसरों के विस्तार, समावेशी विकास और दीर्घकालिक स्थिरता पर जोर दिया गया है। यह स्वीकार किया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां अवश्य हैं, किंतु उनसे अधिक संभावनाएं हैं। यही दृष्टिकोण इस बजट का मूल स्वर होना चाहिए-चुनौतियों को अवसरों में बदलने का साहसिक प्रयास।

सबसे पहली और महत्वपूर्ण अपेक्षा निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने को लेकर है। किसी भी अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती तभी आती है जब उसके सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सम्मानजनक जीवन जी सके और उपभोग में भागीदार बने। यदि निम्न आय वर्ग की आय बढ़ती है, उसे सस्ती और सुलभ सुविधाएं मिलती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव मांग पर पड़ता है और मांग बढ़ने से उत्पादन, निवेश और रोजगार-तीनों को गति मिलती है। इसलिए इस बजट में प्रत्यक्ष नकद अंतरण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च के साथ-साथ रोजगार सृजन के ठोस उपाय अपेक्षित हैं। मनरेगा जैसे कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण, शहरी गरीबों के लिए भी समान प्रकृति की योजनाएं और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

शहरी विकास इस बजट का एक और प्रमुख केंद्र होना चाहिए। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है और शहरों पर जनसंख्या, आवास, परिवहन, जल, स्वच्छता और पर्यावरण का दबाव लगातार बढ़ रहा है। केवल बड़े महानगरों पर निर्भरता अब व्यावहारिक नहीं रही। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा द्वारा सुझाया गया शहरी विकेंद्रीकरण का विचार आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। छोटे और मध्यम शहरों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाना, उद्योगों और सेवाओं को वहां प्रोत्साहित करना, न केवल महानगरों पर बोझ कम करेगा बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन को भी घटाएगा। बजट में यदि टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए विशेष शहरी अवसंरचना पैकेज, परिवहन नेटवर्क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास योजनाएं लाई जाती हैं, तो यह दूरगामी परिवर्तन का आधार बन सकता है।

वैश्विक स्तर पर टैरिफ, व्यापार अवरोध और संरक्षणवाद की प्रवृत्तियां भारत के लिए चुनौती भी हैं और अवसर भी। अजय बंगा का यह कथन कि टैरिफ पर अधिक चिंता करने के बजाय व्यापारिक अवसरों पर ध्यान दिया जाना चाहिए, भारत की वर्तमान स्थिति के लिए उपयुक्त दृष्टि प्रदान करता है। भारत के पास विशाल घरेलू बाजार, युवा जनसंख्या, डिजिटल क्षमताएं और उद्यमशीलता की प्रबल ऊर्जा है। यदि यह बजट निर्यात-उन्मुख उद्योगों, स्टार्ट-अप्स, मैन्युफैक्चरिंग और वैल्यू-एडेड सेक्टर को प्रोत्साहन देता है, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और मजबूत स्थान बना सकता है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को केवल नारों से आगे ले जाकर व्यावहारिक नीति समर्थन की आवश्यकता है-सरल कर संरचना, आसान ऋण, अनुसंधान एवं नवाचार में निवेश और व्यापार करने में सुगमता के माध्यम से।

उद्योगों और व्यापार जगत के लिए बजट से अपेक्षा है कि वह स्थिर और पूर्वानुमेय नीति वातावरण प्रदान करे। निवेशक अनिश्चितता से डरते हैं। कर नीति में बार-बार बदलाव, अनुपालन की जटिलता और नियामक अस्पष्टता निवेश को बाधित करती है। इस संदर्भ में मध्यम वर्ग की भूमिका को नजरअंदाज करना आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती होगा। मध्यम वर्ग किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है-वह सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है और सबसे बड़ा करदाता भी। विडंबना यह है कि बजट चर्चाओं में अक्सर यही वर्ग अपेक्षाकृत उपेक्षित रह जाता है। बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च, आवास ऋण और करों का बोझ मध्यम वर्ग की बचत और उपभोग दोनों को प्रभावित करता है। यदि इस बजट में आयकर स्लैब में तर्कसंगत सुधार, शिक्षा-स्वास्थ्य पर कर राहत और आवास को प्रोत्साहन जैसे कदम उठाए जाते हैं, तो इससे न केवल मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी बल्कि मांग-आधारित विकास को भी बल मिलेगा।

बजट में यदि दीर्घकालिक कर-नीति का स्पष्ट संकेत, एमएसएमई सेक्टर के लिए सस्ता ऋण, तकनीकी उन्नयन के लिए प्रोत्साहन और हरित उद्योगों के लिए विशेष पैकेज दिए जाते हैं, तो यह उद्योगों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र, जो रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, उसे आर्थिक पुनरुत्थान का केंद्र बनाया जाना चाहिए।

भविष्य के भारत की कल्पना केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं हो सकती। इसमें पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक न्याय और मानवीय विकास समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में हरित ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन और टिकाऊ कृषि को बजट में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि नए उद्योगों और रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश भविष्य की कार्यशक्ति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा, जबकि स्वास्थ्य पर खर्च एक स्वस्थ और उत्पादक समाज की नींव रखेगा।

अंततः यह बजट एक संतुलन की परीक्षा है-राजकोषीय अनुशासन और विकासात्मक खर्च के बीच, अल्पकालिक राहत और दीर्घकालिक सुधारों के बीच, तथा विभिन्न वर्गों की अपेक्षाओं के बीच। यदि यह बजट निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने, मध्यम वर्ग को राहत देने, शहरी विकेंद्रीकरण को गति देने और वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदलने की स्पष्ट दिशा देता है, तो यह केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम का घोषणापत्र बन सकता है। देश को आज ऐसे ही बजट की आवश्यकता है-जो आशा जगाए, विश्वास पैदा करे और भविष्य के प्रति एक सकारात्मक, साहसिक दृष्टि प्रस्तुत करे।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

स्पेस में एआई डाटा सेंटर स्थापित करेगा चीन, ड्रैगन की नजर आकाश पर

कम्यूटिंग पावर, भंडारण क्षमता और कम्यूनिकेशन बैंडविड्थ को गहराई से जोड़ा जाएगा ताकि पृथ्वी से एकत्र आंकड़ों का प्रसंस्करण सीधे अंतरिक्ष में हो सके। इस पहल का उद्देश्य यह है कि ऊर्जा खपत और कूलिंग जैसी समस्याओं से जूझ रहे धरती आधारित आंकड़ा केंद्रों का बोझ अंतरिक्ष में स्थानांतरित किया जाए।

(नीरज कुमार दुबे)

चीन ने अगले पांच वर्षों में अंतरिक्ष आधारित कृत्रिम बुद्धि आंकड़ा केंद्र यानि एआई डाटा सेंटर स्थापित करने की योजना की घोषणा कर पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। धरती पर सामरिक बढ़त हासिल करने के बाद अब चीन की नजर आकाश में अपनी ताकत का विस्तार करने पर है ताकि उसे कहीं से भी कोई चुनौती नहीं दे सके। हम आपको बता दें कि चीनी अंतरिक्ष कंपनी चीन एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलोजी कॉरपोरेशन ने संकल्प लिया है कि वह गीगावाट श्रेणी की अंतरिक्ष डिजिटल बुद्धि अवसंरचना यानि स्पेस डिजिटल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करेगा। यह योजना चीन के अगले पंचवर्षीय विकास कार्यक्रम का अहम स्तंभ मानी जा रही है। चीन के सरकारी माध्यमों के मुताबिक इन अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्रों में क्लाउड कम्यूटिंग, एज़ कम्प्यूटिंग और उपकरण स्तर की क्षमताओं का एकीकरण होगा। कम्यूटिंग पावर, भंडारण क्षमता और कम्यूनिकेशन बैंडविड्थ को गहराई से जोड़ा जाएगा ताकि पृथ्वी से एकत्र आंकड़ों का प्रसंस्करण सीधे अंतरिक्ष में हो सके। इस पहल का उद्देश्य यह है कि ऊर्जा खपत और कूलिंग जैसी समस्याओं से जूझ रहे धरती आधारित आंकड़ा केंद्रों का बोझ अंतरिक्ष में स्थानांतरित किया जाए।

इसी सिलसिले में चीन की निजी कंपनी एडीए स्पेस ने पिछले साल मई में 12 उपग्रह प्रक्षेपित किए थे जिनमें उच्च क्षमता वाले एआई चिप लगे हैं। इन उपग्रहों में प्रत्येक 744 ट्रिलियन गणनाएं प्रति सेकंड करने में सक्षम है। नवंबर महीने से इन उपग्रहों पर एक प्रमुख चीनी एआई मॉडल का संचालन किया जा रहा है और दो मिनट से भी कम समय में अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्र से उत्तर प्राप्त हो रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी ने इसे आकाश में गणना का युग आरंभ होने की घोषणा बताया है। उधर, अमेरिका भी पीछे नहीं है। अमेरिकी निजी अंतरिक्ष कंपनियां खासकर एलन मस्क की स्पेस एक्स और अन्य तकनीकी दिग्गज अंतरिक्ष आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कम्प्यूटिंग को भविष्य की सफलता का स्वाभाविक मार्ग मान रहे हैं। अमेरिका की एक अंतरिक्ष कंपनी ने हाल ही में एक उपग्रह पर एआई के सफल संचालन का दावा किया, हालांकि चीन का कहना है कि उसने अकेले उपग्रह की बजाय 12 उपग्रहों वाला व्यावहारिक अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्र स्थापित कर तकनीकी बढ़त बना ली है। चीन का लक्ष्य 2800 उपग्रहों वाला विशाल स्पेस कम्प्यूटिंग नेटवर्क खड़ा करना है जो वर्ष 2035 तक पूर्ण होगा। इस परियोजना को सरकारी संरक्षण प्राप्त है क्योंकि चीन ने अंतरिक्ष को अपनी पंद्रहवीं पंचवर्षीय योजना में रणनीतिक प्राथमिकता घोषित किया है। उधर, समानांतर रूप से अमेरिका में भी उच्च क्षमता वाले एआई चिप, निजी पूंजी और रियूजेबल रॉकेटों के बल पर अंतरिक्ष आंकड़ा केंद्रों की दिशा में तेज प्रगति हो रही है। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। अंतरिक्ष में विकिरण से चिप को बचाने की तकनीक महंगी है और इससे प्रदर्शन घटता है। उपग्रह खराब होने पर मरम्मत असंभव होती है और नया उपग्रह भेजना पड़ता है, जिससे अंतरिक्ष मलबे की समस्या बढ़ती है। इसके बावजूद अमेरिका और चीन दोनों ही इसे भविष्य की अनिवार्यता मानते हुए पूरी ताकत झोंक चुके हैं। देखा जाये तो इसमें कोई दो राय नहीं कि जो देश अंतरिक्ष में एआई पर कब्जा करेगा, वही धरती पर अर्थव्यवस्था, युद्ध और सूचना का नियंत्रण संभालेगा। चीन ने इस सच्चाई को समय रहते पहचान लिया है और अब वह सीधे आकाश में सत्ता का आधार खड़ा कर रहा है। धरती पर आंकड़ा केंद्र अब गले का फंदा बन चुके हैं। जमीन चाहिए, पानी चाहिए, बिजली चाहिए और ठंडक चाहिए। कृत्रिम बुद्धि जितनी तेज गति से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उसके लिए जरूरी संसाधन खत्म हो रहे हैं। अंतरिक्ष इस समस्या का स्वाभाविक समाधान है। वहां चौबीस घंटे सूर्य ऊर्जा है, ताप प्रबंधन स्वाभाविक है और विस्तार की कोई सीमा नहीं। यही कारण है कि चीन और अमेरिका दोनों इसे भविष्य का कम लागत वाला मार्ग बता रहे हैं। लेकिन यह केवल लागत का सवाल नहीं है। यह सामरिक प्रभुत्व का प्रश्न है। अंतरिक्ष में स्थापित एआई केंद्र केवल नागरिक उपयोग तक सीमित नहीं रहेंगे। वही केंद्र जासूसी उपग्रहों के आंकड़े संसाधित करेंगे, वही मिसाइल चेतावनी तंत्र को संचालित करेंगे और वही साइबर युद्ध का मस्तिष्क बनेंगे। जिसने अंतरिक्ष में कम्प्यूटिंग पर कब्जा किया, वह युद्धभूमि में निर्णय की गति पर कब्जा करेगा। चीन की रणनीति स्पष्ट है। वह केवल तकनीक नहीं बना रहा, वह पूरी पीढ़ी तैयार कर रहा है। इंटरस्टैलर नेविगेशन स्कूल की स्थापना इस बात का संकेत है कि चीन अब केवल निकट पृथ्वी कक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह गहरे अंतरिक्ष में छलांग लगाने की तैयारी कर रहा है। अगले दस से बीस वर्ष चीन के लिए अहम हैं और वह इसे व्यर्थ जाने नहीं देगा।

बहरहाल, भारत सहित शेष विश्व के लिए यह चेतावनी है। जो देश इस दौड़ में पीछे रहेंगे, वे केवल उपभोक्ता बनकर रह जाएंगे। अंतरिक्ष में कम्प्यूटिंग का युग शुरू हो चुका है और यह युग केवल तकनीक नहीं, सत्ता का नया व्याकरण लिखेगा। जो इसे समझेगा वही बचेगा, जो चूका वह इतिहास बनेगा। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अंतरिक्ष अब केवल खोज और संचार का क्षेत्र नहीं रहा। वह कृत्रिम बुद्धि, ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और सैन्य प्रभुत्व का नया रणक्षेत्र बन चुका है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5991

संकेतः बाएं से दाएं
1. 7 जून इस भारतीय पेशेवर टेनिस खिलाड़ी का जन्म दिवस है (6)
7. इच्छा, ख्वाहिश, मांग (3)
8. संगीत के साथ तेजी से अंगों को संचालित करना (4)
10. बंदूक को अंग्रेजी मे यह कहते है (2)
11. छल, बनावटी, व्यवहार (3)
12. अनेक प्रकार के, एक रिश्ता (2)
14. इस वृक्ष की छाल औषधि के निर्माण में भी प्रयुक्त होती है (2)
16. नाम चयन, नाम निर्देशन, किसी काम के लिए किसी का तकरूर (उर्दू)(5)
19. रूपया-पैसा (अंग्रेजी)(2)
20. सामंजस्य, तालों का मिलान (4)
22. संतति, औलाद, पुत्र या पुत्री (3)
23. चुकता किया हुआ, दिया हुआ (2)
24. भीड़ को प्रेरित तथा उत्तेजित करने के लिए किया गया सामूहिक उद्घोष (2)

ऊपर से नीचे
1. मतों की गिनती (5)
2. लगभग 500 फिल्मों में नृत्य पेश कर चुकी ये नृत्यांगना अभिनेत्री (3)
3. रात्रि, निशा, रात, विभावरी, निशा (उर्दू)(2)
4. राहगीर, बटोही, राह या पथ पर चलने वाला (3)
5. नृत्य मे एक प्रकार की गति (3)
6. पंख, पर (2)
9. मध्यप्रदेश का यह शहर चूना-पत्थर के शहर के नाम से लोकप्रिय है (3)
12. सुकुमारी, एक सुंदर स्त्री, सुंदरी (उर्दू)(4)
13. आवाज, शब्द, ध्वनि (2)
15. राजा का निवा, अंतपुर (3)
17. माता का दुलार जो उसकी संतान पर होता है (3)
18. यह प्रसिद्ध भारतीय पार्श्व गायिका थी (23 नवंबर 1930-20 जुलाई 1972) (4)
21. भेड़ या बकरी का बच्चा (3)
22. चेतना शक्ति, होश, हिंदी व्याकरण में किसी वस्तु का बोधक-सूचक शब्द (2)

वर्ग पहेली 5990 का हल

पा	कि	स्ता	न	■	शा	र	दा
र्थ	■	व	न	स्प	ति	■	ग
■	शौ	क	■	पा	र	हो	ना
चा	ह	■	क	र्क	■	लि	■
■	र	सि	क	■	ड	का	र
ग	प	■	ह	नु	■	द	ही
वा	र	■	रा	■	व	ह	म
ह	स्त	■	■	व	र्ण	न	■

आग जैसी तपिश से झुलसेगा भारत! डरा रही ऑक्सफोर्ड की ये रिसर्च

(अशोक उपाध्याय)

पूरी दुनिया में 2050 तक भयंकर गर्मी पड़ने के आसार हैं। इसका असर भारत पर भी देखने को मिलेगा। लोगों के स्वास्थ्य और खेती पर खतरा मंडरा जाएगा।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक स्टडी ने सबको चौंका दिया है। इस स्टडी ने चेतावनी दी है कि अगर ग्लोबल वार्मिंग का खतरा ऐसे ही बढ़ता रहा, तो आने वाले कुछ दशकों में दुनिया के अरबों लोग खतरनाक गर्मी की चपेट में आ जाएंगे। यह स्टडी बताती है कि अगर धरती का औसत तापमान औद्योगिक स्तर से 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया, जो कि अब बहुत संभव लग रहा है, तो 2050 तक दुनिया की लगभग आधी आबादी (करीब 3.79 अरब लोग) भीषण गर्मी की गिरफ्त में होगी।

शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे पहले भी यानी 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर गर्मी का असर बहुत तेजी से बढ़ेगा। 2010 में जहां दुनिया की 23 प्रतिशत आबादी अत्यधिक गर्मी झेल रही थी, वहीं यह आंकड़ा जल्द ही 41 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

कुछ देशों जैसे सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, नाइजीरिया, साउथ सूडान, लाओस और ब्राजील में गर्मी का असर बहुत तेजी से बढ़ेगा। वहीं, भारत, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नाइजीरिया और फिलीपींस जैसे घनी आबादी वाले देशों में सबसे ज्यादा लोग गर्मी से प्रभावित होंगे।

यह स्टडी 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' जर्नल में छपी है। इसमें बताया गया है कि ठंडे देशों को भी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। अगर तापमान 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ा, तो ऑस्ट्रिया और कनाडा जैसे देशों में गर्म दिनों की संख्या दोगुनी हो जाएगी।

यूके, स्वीडन और फिनलैंड में ऐसे दिनों में करीब 150 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी, जबकि नॉर्वे और आयरलैंड में यह बढ़ोतरी 200 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा हो सकती है।

स्टडी के मुख्य लेखक, डॉ. जीसस लिजाना, इंजीनियरिंग साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर हैं। वह बताते हैं कि गर्मी और सर्दी की मांग में ज्यादातर बदलाव 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार करने से पहले ही हो जाएंगे। इसका मतलब है कि हमें गर्मी से निपटने के लिए तैयारी अभी से शुरू करनी होगी।

ठंडे देशों में बने घर और इमारतें ज्यादा गर्मी झेलने के लिए नहीं बनी हैं। इसलिए, आने वाले कुछ सालों में लाखों घरों को एयर कंडीशनिंग (एसी) लगवाने की जरूरत पड़ सकती है।

ऑक्सफोर्ड के विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि अगर तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ा, तो इसके स्वास्थ्य, शिक्षा, खेती और लोगों के एक जगह से दूसरी जगह जाने पर बहुत बड़े असर होंगे। साथ ही, दुनिया भर में एसी और बिजली की मांग भी बहुत बढ़ जाएगी।

आज का राशिफल

मेष
आज आपके अन्दर भोग विलास के भावना को बढ़ायेगा। आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे, यदि आप व्यापार कर रहे हैं तो आपके व्यापार में आज कुछ नए परिवर्तन होंगे जिससे आगे चलकर आपको लाभ होगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेष्ट रहें।

वृष
आज का दिनआपके जीवन विघ्न बाधाएं उत्पन्न करेगा। सांसारिक सुख भोग और नौकर चाकरों से असहयोग से परेशानी रहेगी। परिवार की तरफ से भी वांछित समाचार मिलने के संकेत नहीं है।करियर से जुड़ी यात्रा का भी संयोग बन रहे है। यह यात्रा आगे चलकर आपके लिए लाभकारी साबित होगी। आपको जीवनसाथी का भी पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन
आज आपको बहुमूल्य वस्तु से लाभ प्राप्त कराएगा। अपनी शान शौकत के लिए धन का व्यय करेंगे, गरीबों की सहायता और अपनी वाक्पटुता, कार्य कुशलता से दूसरे व्यक्तियों को अपनी ओर आकृष्ट करने में सक्षम रहेंगे। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक आपकी रुचि धर्म-अध्यात्म में लगेगी।

कर्क
आज का दिन राज्य विजय कारक है। आपके प्रभाव प्रताप में वृद्धि होगी। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आयेंगे जो कि चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे।शिक्षा और संतान से जुड़ा सुख कल के दिन आपके दिन को प्रसन्नता से भर देगा। संतान पक्ष से जुड़ी कोई अच्छी खबर आपको प्राप्त हो सकती है।

सिंह
आज अधिक परिश्रम करने के कारण स्वास्थ्य कुछ नरम रहेगा। राज्य और समाज की ओर से वांछित सहयोग मिलेगा, परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ेगा। सब लोग आपके साहस और पराक्रम की प्रशंसा करेंगे।

कन्या
आज का दिन मिश्रित फल कारक है। तृतीय भाव में मंगल होने के कारण आपको पेट एवं वायु से संबंधित कष्ट होने की संभावना रहेगी। ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आयेंगे जो आपकी खिन्नता को बढ़ा देंगे। सायंकाल के समय कोई खुशखबरी मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा।

तुला
आज आप में अपने कार्य के प्रति लगन रहेगी एवं रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आप नए-नए कार्यों में विनियोग करेंगे। आपके परिवार में मनमुटाव की स्थिति रहेगी। सायंकाल के समय वाहन खराब होने से अकस्मात् खर्चा बढ़ेगा। आप इस समय में धैर्य से काम लें क्योंकि जल्दबाजी में किए गए कार्य से आप परेशान हो सकते हैं।कामकाज में तेजी आने से धन लाभ होगा।

वृश्चिक
आज आप अधिकांश क्रियाकलापों में लिप्त रहेंगे। इस समय में अध्यात्म से तत्व ज्ञान की वृद्धि होगी। सायंकाल से देर रात तक आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपकी बुद्धि विवेक, नए-नए कार्यों की खोज करने में लगेगी। आप दूसरों की कमियां ढूंढना छोड़ दें तो आज आपकी शान में चार चांद लग सकता है।

धनु
आज का दिन धर्म अध्यात्म में वृद्धि करेगा। दिन का कुछ समय सामाजिक क्रियाकलापों में भी लगेगा। आपके भौतिक सुख सुविधाओं में कुछ कमी आ सकती है। यदि आप अपने मन की बात को शीघ्र दूसरों से उजागर न करें तो रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। षष्ठम भाव में बृहस्पति आपके स्वास्थ्य में गड़बड़ कर सकता है।

मकर
आज आपके निर्णय लेने की क्षमता से आपको लाभ करायेगा। यदि आपका कोई विवाद राज्य में या समाज में लंबित हो तो उनमें सफलता मिलने की पूर्ण संभावना रहेगी। धन का लाभ होगा। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक का समय ईश्वर भक्ति, तप, यज्ञ, पुण्य कार्यों में लगेगा।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए भविष्य की नवीन संभावनाओं को लेकर आ रहा है। आपकी रुचि आध्यात्मिक, आपके अच्छे कर्मों से आपके खानदान का नाम ऊंचा होगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्य में सफलता मिलेगी। सायंकाल का समय गाने बजाने संगीत और सैर सपाटे में बीतेगा।घर-परिवार में भाईयों से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन
आज का दिन चिंता की निवृत्ति कारक है। मानसिक अशांति खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। आपकी संतान व पत्नी के प्रति प्रेम भावना बढ़ेगी। यदि आपका प्रमोशन होने वाली है तो अवश्य प्राप्त होगा। आपको आकस्मिक चिन्ता होने की संभावना है। जिससे आप अपनी वाक्पटुता से शीघ्र ही दूर कर लेंगे।

जीएसटी का जनवरी में हुआ बंपर कलेक्शन

● 22 सितंबर से कम हुई थीं जीएसटी दरें ● निर्मला सीतारमण का 9वां बजट, अपना रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करने वाली हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े आ गए हैं। जनवरी के महीने में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन में बंपर उछाल आया है। इस महीने में आयात से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के दम पर कलेक्शन 6.2 प्रतिशत बढ़ गया और यह 1.93 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। वहीं, कुल रिफंड में 3.1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 22,665 करोड़ रुपये रहा। अगर जनवरी में नेट जीएसटी रेवेन्यू की बात करें तो इसमें 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह करीब 1.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। तंबाकू उत्पादों से उपकर कलेक्शन जनवरी में 5,768 करोड़ रुपये रहा। जनवरी 2025 में यह 13,009 करोड़ रुपये रहा था। ये वो वक्त था जब कार, तंबाकू उत्पादों जैसे विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर उपकर लगाया जाता था। बता दें कि सरकार ने 22 सितंबर, 2025 से

करीब 375 वस्तुओं पर जीएसटी की दरें कम कर दी थीं जिससे सामान सस्ता हो गया। इसके साथ ही पहले की तरह विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर लगने वाले उपकर के बजाय अब केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर ही क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। जीएसटी दरों में कमी से राजस्व कलेक्शन पर असर पड़ा है। जनवरी में घरेलू लेनदेन से ग्रॉस टैक्स कलेक्शन 4.8 प्रतिशत बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपये हो गया जबकि आयात राजस्व 10.1 प्रतिशत बढ़कर 52,253 करोड़ रुपये रहा। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिलीं। इससे पहले उन्होंने अपने बजट टीम के साथ तस्वीर खिंचवाई। मैजेंटा रंग की रेशमी साड़ी पहने सीतारमण ने राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न वाले एक लाल पाउच (थैले) में टैबलेट पकड़ा था। उनके साथ राज्य मंत्री और उनके मंत्रालय के सभी छह सचिव भी मौजूद रहे।

5 रुपये से कम है शेयर का दाम

26 बोनस शेयर बांट चुकी है जोन्जुआ ओवरसीज

नई दिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक जोन्जुआ ओवरसीज ने हाल में अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा दिया है। जोन्जुआ ओवरसीज ने निवेशकों को बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने 5:40 के रेशियो में बोनस शेयर बांटे हैं। यानी, कंपनी ने हर 40 शेयर पर 5 फ्री शेयर दिए हैं। कंपनी लगातार अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांट रही है। जोन्जुआ ओवरसीज ने साल 2019 से लेकर अब तक निवेशकों को 7 बार बोनस शेयर दिए हैं, कंपनी ने टोटल 26 बोनस शेयर बांटे हैं। जोन्जुआ ओवरसीज के शेयर शुक्रवार को ख्रस्थ्र में 4.67 रुपये पर बंद हुए हैं।

अब तक 26 बोनस शेयर बांट चुकी है कंपनी: जोन्जुआ ओवरसीज अपने शेयरधारकों को लगातार बोनस शेयर बांटती आ रही है। ञ्रह्लह्ठुस्रद्य4ठ्ठ्र के डेटा के मुताबिक, कंपनी ने साल 2019 से लेकर अब तक अपने निवेशकों को 7 बार बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने अक्टूबर 2019 में 1:25 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 25 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। जोन्जुआ ओवरसीज ने जुलाई 2020 में 1:43 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 43 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। कंपनी ने जुलाई 2021 में 5:37 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 37 शेयर पर 5 बोनस शेयर बांटे। जोन्जुआ ओवरसीज ने अक्टूबर 2022 में 4:23 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। वहीं, अक्टूबर 2023 में 9:50 के अनुपात में बोनस शेयर बांटे। यानी, कंपनी ने हर 50 शेयर पर 9 बोनस शेयर दिए। जोन्जुआ ओवरसीज ने जुलाई 2025 में 1:20 और जनवरी 2026 में 5:40 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

टाटा ट्रस्ट से बाहर निकलेंगे प्रमित झावेरी

रतन टाटा ने कराई थी ज्वाइनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट के एक अहम ट्रस्टी ने पद छोड़ने का फैसला लिया है। दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा के करीबी प्रमित झावेरी, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट बोर्ड के ट्रस्टी पद से हट रहे हैं। उन्होंने टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा को लिखे एक लेटर में कहा है कि जब 11 फरवरी 2026 को उनका मौजूदा कार्यकाल खत्म होगा तो दोबारा नियुक्ति के लिए विचार नहीं करना चाहते हैं। 31 जनवरी को लिखे लेटर में झावेरी ने कहा कि वह 12 फरवरी 2020 से ट्रस्टी के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्हें दिवंगत रतन एन. टाटा ने बोर्ड में शामिल होने के लिए इनवाइट किया था।

प्रमित झावेरी ने बताया कि ट्रस्ट से बाहर होने के फैसले पर पहले नोएल टाटा के साथ चर्चा की गई थी और अब इसे औपचारिक रूप से बताया जा रहा है। झावेरी ने अपने कार्यकाल को एक सम्मान बताया और आने वाले सालों के लिए टाटा ट्रस्ट्स को शुभकामनाएं दीं। झावेरी का यह लेटर सर दोराब टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों और टाटा ट्रस्ट्स के सिद्धार्थ शर्मा को भी भेजा गया था। बता दें कि सर दोराब टाटा ट्रस्ट, टाटा ग्रुप के मुख्य परोपकारी ट्रस्टों में से एक है।

प्रस्तावित बोर्ड बैठक कर दिया गया था रद्द: इसी जनवरी महीने में सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) की एक प्रस्तावित बोर्ड बैठक कोरम की कमी के कारण रद्द कर दी गई। इस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के बेटे नेविल टाटा को ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया जाना था। नेविल टाटा को बोर्ड में शामिल करने की कोशिश दो महीने पहले भी असफल हो चुकी है। करीब 180 अरब डॉलर से अधिक के टाटा समूह की प्रवर्तक होल्डिंग कंपनी टाटा संस में एसआरटीटी की 23.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एसआरटीटी के ट्रस्टी नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, जिमी एन टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर और डेरियस खंबाटा हैं।

बता दें कि पिछले साल नवंबर में नेविल टाटा और भास्कर भट को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) में नियुक्त किया गया था, जिसकी टाटा संस में 28 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हालांकि, उन्हें एसआरटीटी में नियुक्त नहीं किया जा सका। टाटा से जुड़े अन्य ट्रस्टों की टाटा संस में 13.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। स्पष्ट रूप से यह नियुक्ति वेणु श्रीनिवासन द्वारा उठाए गए एक विरोध के कारण रुकी थी।

सेबी ने डीमैट से जुड़े नियम को बनाया आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर बाजार में ट्रेडिंग करते हैं तो ये खबर आपके काम की है। दरअसल, बाजार नियामक सेबी ने डीमैट अकाउंट्स में सिक्योरिटीज को जमा करने की प्रक्रिया को सरल बनाया है। इसके तहत अब डील की पुष्टि करने वाले पत्र की जरूरत को समाप्त कर दिया गया है। इस कदम से सिक्योरिटीज के ट्रांसफर की अवधि 150 दिन से घटकर 30 दिन हो जाएगी।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को जारी एक सर्कुलर में कहा कि वर्तमान में सूचीबद्ध कंपनियां, निर्गम पंजीयक और शेयर हस्तांतरण एजेंट (आरटीए) निवेशकों को पुष्टि पत्र (एलओसी) जारी करते हैं, जिसे प्रतिभूतियों को जमा करने के लिए डिपॉजिटरी प्रतिभागियों को प्रस्तुत किया जाता है। सेबी ने कहा कि इस प्रक्रिया में आमतौर पर लगभग 150 दिन लगते हैं। ऐसे में निवेशकों की सुविधा बढ़ाने और समय तथा जोखिम को कम करने के लिए एलओसी जारी करने की आवश्यकता को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। संशोधित व्यवस्था के तहत, आरटीए और सूचीबद्ध कंपनियां उचित जांच-पड़ताल करने के बाद निवेशकों के डीमैट खातों में सीधे प्रतिभूतियां जमा करेंगी। सेबी ने कहा कि इस बदलाव से सिक्योरिटीज के जमा होने की समयसीमा 150 दिन से घटकर 30 दिन होने की उम्मीद है और एलओसी के खोने या दुरुपयोग से जुड़े जोखिम समाप्त हो जाएंगे। नियामक ने कहा कि संशोधित ढांचा दो अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। इस तिथि से पहले जारी की गई कोई भी एलओसी निर्धारित समयसीमा के भीतर सिक्योरिटीज को डीमैट खातों में जमा करने के लिए उपयोग कर सकते है।।

एसटीटी की वजह से शेयर बाजार में मचा है

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट 2026 में एसटीटी में बढ़ोतरी के ऐलान का असर शेयर बाजारों पर साफ देखने का मिला रहा है। सेंसेक्स और निफ्टी का बुरा हाल है। हर तरफ भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। सेंसेक्स आज दिन में 2300 से अधिक अंक टूट तक गया था। आइए जानते हैं कि क्या है एसटीटी? एसटीटी, सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स को कहा जाता है। जब भी कोई निवेशक शेयरों को शेयरों को, म्यूचुअल फंड्स की कोई या डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स को बेचता और खरीदता है तो उससे एक छोटा सा चार्ज हर एक ट्रांजैक्शन पर देना होता है। इसे ही एसटीटी कहते हैं। इसका मकसद कैपिटल गेन्स पर टैक्स चोरी को रोकना है। बता दें, एसटीटी की शुरुआत 2004 में हुई थी। इस बार के बजट में एसटीटी को लेकर क्या ऐलान हुआ है? केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स को बढ़ा दिया है। फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, ऑप्शंस को 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, ऑप्शंस पर एसटीटी को 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत कर दिया है। बता दें, फ्यूचर्स पर एसटीटी में 150 प्रतिशत और ऑप्शंस में 50 प्रतिशत का इजाफा किया गया है। जब एसटीटी को जब शुरू किया गया था तब इसका मकसद लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स रिप्लेस करना, टैक्स कलेक्शन को आसाना बनाना और डेरिवेटिव्स ट्रेड में टैक्स चोरी को रोकना था।

7.79 लाख के पार जाएगी सोने की कीमत जेपी मॉर्गन का बड़ा प्रिडिक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सर्राफा बाजार में इन दिनों जो उठापटक दिख रही है, उसने खरीदारों और निवेशकों को दोराहे पर खड़ा कर दिया है। एक तरफ जहां एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 18 फीसदी की ऐतिहासिक गिरावट के साथ गोता लगा रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया के सबसे बड़े निवेश बैंकों में शुमार जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट ने बाजार में खलबली मचा दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, अभी की यह मंदी महज एक छोटा सा ठहराव है, क्योंकि आने वाले समय में सोने की चमक इतनी तेज होगी कि वह 2,35,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार निकल सकता है। बाजार में मची इस भगदड़ के पीछे मुनाफावसूली को बड़ी वजह माना जा रहा है। शादी-ब्याह के लिए गहने खरीदने वाले अब इस असमंजस में हैं कि खरीदारी अभी करें या दाम और गिरने का इंतजार। हालांकि, जेपी मॉर्गन के रणनीतिकारों का नजरिया बिल्कुल अलग है। उनका मानना है कि सोना अब सिर्फ संकट का साथी नहीं रहा, बल्कि लोगों के निवेश का मुख्य हिस्सा बनता जा रहा है। उनके अनुमान के अनुसार, अगर दुनिया भर के निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी मामूली रूप से भी बढ़ाते हैं, तो मांग और सीमित सप्लाई के बीच

यह अंतर सोने को अंतरराष्ट्रीय बाजार में 8,500 डॉलर प्रति औंस (करीब 7.79 लाख रुपये) तक ले जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि अब लोग लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड के मुकाबले सोने को ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। अर्थशास्त्रियों का तर्क है कि सोना किसी सरकार या संस्था की देनदारी नहीं है, इसलिए आर्थिक अस्थिरता के दौर में इसकी अहमियत और बढ़ जाती है। यहां तक कि कई एक्सपर्ट्स तो शेयर बाजार की तेजी को भी सोने के सामने फीका बता रहे हैं। उनका कहना है कि महंगाई के दौर में शेयरों की उछाल केवल एक भ्रम हो सकती है, जबकि असली ताकत सोने की कीमतों में छिपी है। रिपोर्ट में एक और खास बात निकलकर आई है कि खुदरा निवेशक अब डिजिटल करेंसी यानी बिटकॉइन की तुलना में सोने पर कहीं ज्यादा भरोसा जता रहे हैं।

मुंबई देश में सबसे महंगा महानगर

सबसे सस्ते शहरों में इनका नाम, अब दिल्ली भी पैसे वालों की

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती महंगाई के बीच जारी ताजा रिपोर्ट कॉस्ट ऑफ लिविंग इंडेक्स 2026 में दुनिया के सबसे महंगे शहरों की नई तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में स्विट्जरलैंड के शहरों ने अमीरी और महंगाई के मामले में कब्जा कर रखा है, वहीं भारत में मुंबई इस साल भी सबसे खर्चीला महानगर बना हुआ है। हालांकि, इस साल दिल्ली ने खर्चीले महानगर के मामले में बेंगलुरु को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

सर्बिया की डेटा प्लेटफॉर्म कंपनी नंबियो ने दुनिया के 506 शहरों का डाटा जारी किया है। कंपनी हर साल जीवन यापन लागत डाटा जारी करती है। पिछले चार साल(2023-2026 के बीच) के आंकड़ों के आधार पर पाया गया कि दिल्ली में लिविंग इंडेक्स की लागत लगातार बढ़ी है। वर्ष 2023 में दिल्ली का लिविंग इंडेक्स 21.8 पर था, जो इस साल बढ़कर 23.2 पहुंच गया है। वहीं मुंबई का इंडेक्स इस साल 26.3 और बेंगलुरू का 21.9 दर्ज किया गया।

किसको कितनी रैंकिंग रिपोर्ट के अनुसार, स्विट्जरलैंड का ज्यूरिख (118.5) दुनिया का सबसे महंगा शहर बना हुआ है। उसके बाद जेनेवा और बेसल का नंबर है। वहीं न्यूयॉर्क 100 के

स्कोर के साथ सातवें स्थान पर है। इस सूची में मुंबई को 445वें, दिल्ली को 454वें और बेंगलुरू को 457वें स्थान पर रखा गया है। सूचकांक में गुरुग्राम (450) और नोएडा (458) का नाम भी है। बता दें, यह रैंकिंग न्यूयॉर्क सिटी को आधार (100) मानकर बनाई गई है। यानी दिल्ली में रहने की लागत न्यूयॉर्क सिटी से 76.8 फीसदी कम है।

दिल्ली में पिछले चार साल का इंडेक्स बताता है कि यहां बुनियादी सुविधाओं और खान-पान की लागत में लगभग 6.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। मुंबई में एक व्यक्ति का औसत मासिक खर्च (बिना किराये के) 30-35 हजार तक है। वहीं दिल्ली में एक परिवार (4 सदस्य) का औसत खर्च 85 से एक लाख के पार पहुंच गया है।

महंगा होने का कारण

दिल्ली का किराया अन्य महानगरों के मुकाबले कम है, लेकिन 2026 में इसमें चार फीसदी की बढ़त देखी गई।

राशन के दामों में पिछले साल के मुकाबले 8-10 प्रति की वृद्धि हुई बिजली, पानी और इंटरनेट के साथ मेट्रो और कैब के बढ़ते खर्चों ने इंडेक्स को ऊपर धकेला है। दिल्ली में औसत सेवा बिल अब चार से छह हजार के बीच में है इंडेक्स रिपोर्ट में आखिरी शीर्ष 10 शहरों में भारत के जगहों का नाम शामिल है। इसमें कोयंबटूर सबसे आखिरी पायदान (479) पर है। इसके बाद लखनऊ, इंदौर, सूरत, जयपुर, कोच्चि, कोलकाता, भोपाल, पटना और भुवनेश्वर हैं। यानी ये भारत के सबसे किफायती शहरों में हैं।

एनएसई के आईपीओ की सामने आई टाइमलाइन

सीईओ ने दी

नई दिल्ली, एजेंसी। एनएसई के आईपीओ का इंतजार कर रहे निवेशकों के लिए पिछले हफ्ते कई अच्छी खबरें आईं। सेबी ने इस आईपीओ को लाने की मंजूरी दे दी है। एनएसई को एनओसी मिल चुका है। अब सवाल खड़ा हो रहा है कि कब तक यह आईपीओ दस्तक देगा सीएनबीसी टीवी18 से बात करते हुए एनएसई के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ आशीष चौहान ने कहा कि 7 से 8 महीने में कंपनी की लिस्टिंग हो सकती है। आईपीओ लाने का अगला बड़ा पड़ाव डीआरएचपी है। आशीष चौहान ने कंफर्म किया कि एनओसी मिलने के साथ ही डीआरएचपी पर काम शुरू हो गया है। इसे तैयार करने में तीन से 4 महीने लगेंगे। बता दें, एनएसई के चेयरमैन ने भी एनओसी मिलने का स्वागत किया है। उन्होंने इसे स्टॉक मार्केट की यात्रा में एक बड़ा पड़ाव माना है।

कैसा होगा एनएसई का आईपीओ: एनएसई का आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फार सेल पर आधारित होगा। यह बात भी आशीष चौहान ने बातचीत के दौरान साझा किया। एक्सचेंज मौजूदा शेयरहोल्डर्स के संपर्क में है। जो आईपीओ के जरिए अपनी हिस्सेदारी घटाना चाह रहे हैं। एनएसई के आईपीओ की टाइमलाइन के सामने आने के बाद अब बीएसई के शेयरों में हलचल देखने को मिल सकती है। बीएसई लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में पिछले एक साल में 54 प्रतिशत की तेजी आई है। कंपनी का 52 वीक हाई 3030 रुपये और 52 वीक लो लेवल 1227.33 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1.13 करोड़ रुपये का है। तीन साल में बीएसई लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 1553 प्रतिशत और 5 साल में 4063 प्रतिशत की तेजी आई है।

गेल अथॉरिटी ऑफ इंडिया का नेट प्रॉफिट 57 प्रतिशत लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी। गेल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की तरफ से बजट 2026 से एक दिन पहले यानी 31 जनवरी को तिमाही नतीजों का ऐलान किया गया था। कंपनी ने तिमाही नतीजों के साथ-साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया था। कंपनी के लिहाज से दिसंबर तिमाही अच्छी नहीं रही है। बता दें, कंपनी के नेट प्रॉफिट में 57.60 प्रतिशत की गिरावट आई है। महार प्रतिशत पीएसयू ने दी जानकारी में बताया है कि अक्टूबर से लेकर दिसंबर 2026 तक कंपनी का नेट प्रॉफिट 1729.13 करोड़ रुपये रहा है। जोकि साला ना आधार पर 57.60 प्रतिशत कम है। एक

साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 4084.24 करोड़ रुपये रहा था।गेल इंडिया का रेवन्यू भी घटा है। कंपनी की तरफ से साझा की गई जानकारी के अनुसार चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 35302.70 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष में दिसंबर तिमाही में महार प्रतिशत कंपनी का रेवन्यू 36937 करोड़ रुपये रहा था। डिविडेंड देने का ऐलान किया गया है। सरकारी कंपनी ने एक शेयर पर 50 प्रतिशत डिविडेंड या फिर 5 रुपये डिविडेंड देने का फैसला किया है। इस डिविडेंड के लिए गेल इंडिया की तरफ से 5 फरवरी, दिन गुरुवार को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। शुक्रवार को महार प्रतिशत कंपनी का शेयर गिरावट के साथ बीएसई में 167.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

माघ पूर्णिमा कब? सही तारीख, पूजा विधि, स्नान दान और चंद्रोदय का समय

माघ पूर्णिमा का हिंदू धर्म में खास महत्व है। इस दिन स्नान, दान और व्रत करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। साथ ही, पूर्णिमा का व्रत करने वाले चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देते हैं। वहीं, इस बार की माघ पूर्णिमा बेहद खास रहने वाली है क्योंकि इस दिन रवि पुष्य योग का संयोग बन रहा है। पूर्णिमा तिथि पर विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

माघ मास की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 1 फरवरी, रविवार को सुबह 5 बजकर 53 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 1 फरवरी को मध्य रात्रि के पश्चात 3 बजकर 39 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार, प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि पर पड़ने पर पूर्णिमा का व्रत रखा जाता है। ऐसे में 1 फरवरी के दिन ही माघ पूर्णिमा का व्रत स्नान दान आदि कार्य किए जाएंगे। वहीं, इस दिन रविवार का दिन होने और पुष्य नक्षत्र के चलते रवि पुष्य योग का संयोग भी बन रहा है।

माघ पूर्णिमा 2026 स्नान दान का शुभ मुहूर्त

लाभ चौघड़िया - सुबह 5 बजकर 30 मिनट से लेकर 7 बजकर 9 मिनट तक का समय स्नान-दान के लिए सबसे उत्तम रहेगा। माघ मास की पूर्णिमा को तिल, कंबल, वस्त्र, घी, फल, अन्न आदि का दान करना शुभ माना जाता है। साथ ही, इस दिन पितरों का श्राद्ध भी किया जाता है। माघी पूर्णिमा पर विष्णुजी की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है।

चंद्रोदय का समय

माघ पूर्णिमा पर चांद निकलने का समय शाम को 5 बजकर 46 मिनट पर होगा। चंद्रोदय के पश्चात चंद्रमा को अर्घ्य देने का विधान होता है।

माघ पूर्णिमा पूजा विधि

- पूर्णिमा तिथि के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि के पश्चात सूर्यदेव को अर्घ्य देना चाहिए। फिर, शांत मन से व्रत का संकल्प लें।
- अपने घर के पूजा स्थल पर एक चौकी पर साफ लाल या पीले रंग का वस्त्र बिछाएं। अब उस पर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
- चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करें। चौकी के चारों तरफ कलावा अवश्य बांधें। फिर, विष्णुजी का पंचामृत से स्नान कराएं।
- भगवान विष्णु को वस्त्र आदि अर्पित करके उनका तिलक करें। अब केले, पंचामृत, कसाल आदि चढ़ाएं और विधि पूर्वक पूजा आरती करें।
- पूर्णिमा तिथि पर व्रत कथा का पाठ भी अवश्य करना चाहिए। इससे पूर्ण फल की प्राप्ति होती है।

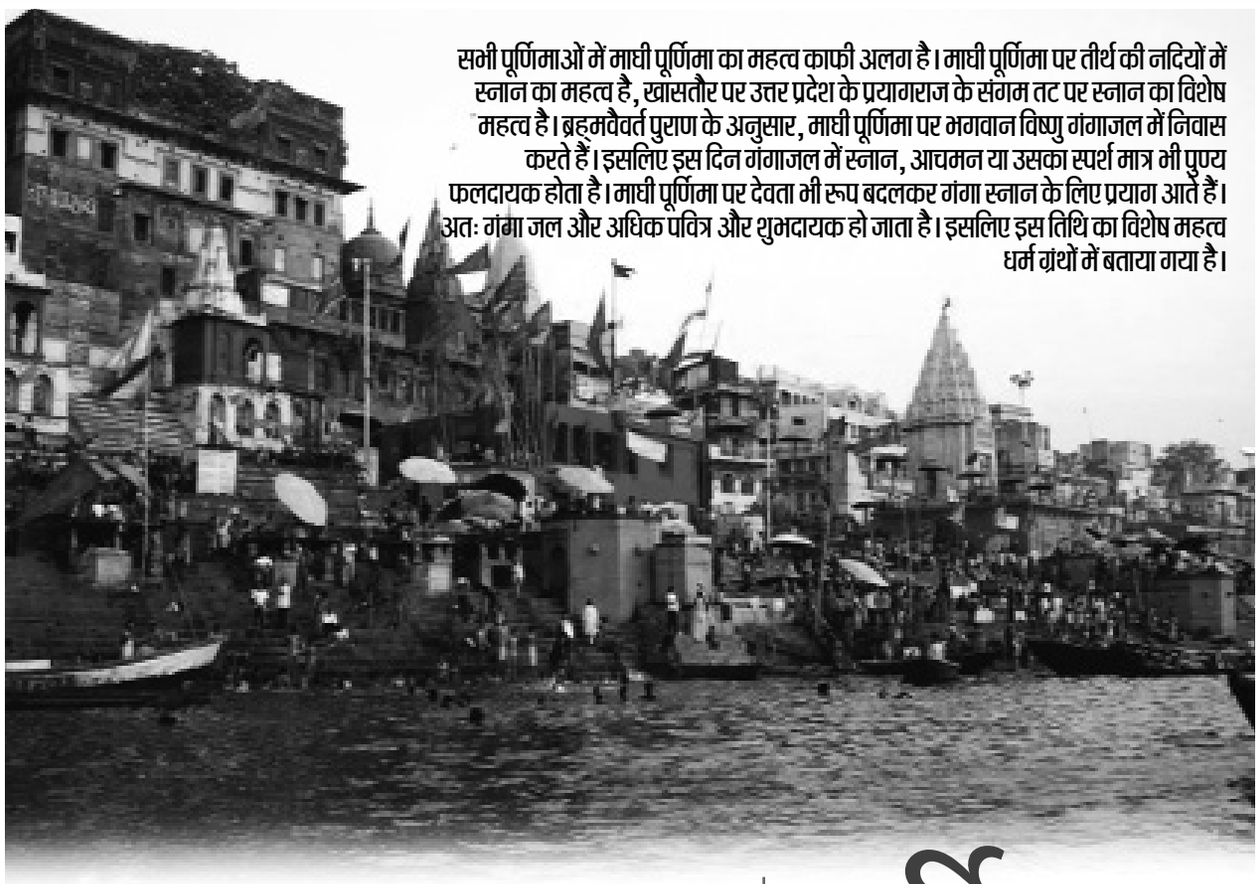

सभी पूर्णिमाओं में माघी पूर्णिमा का महत्व काफी अलग है। माघी पूर्णिमा पर तीर्थ की नदियों में स्नान का महत्व है, खासतौर पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम तट पर स्नान का विशेष महत्व है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, माघी पूर्णिमा पर भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगाजल में स्नान, आचमन या उसका स्पर्श मात्र भी पुण्य फलदायक होता है। माघी पूर्णिमा पर देवता भी रूप बदलकर गंगा स्नान के लिए प्रयाग आते हैं। अतः गंगा जल और अधिक पवित्र और शुभदायक हो जाता है। इसलिए इस तिथि का विशेष महत्व धर्म ग्रंथों में बताया गया है।

माघ मास का आखिरी दिन है माघी पूर्णिमा

माघ पूर्णिमा माघ मास का आखिरी दिन है। इसके अगले दिन से फाल्गुन मास शुरू हो जाएगा।

- सभी पूर्णिमाओं में माघी पूर्णिमा का महत्व काफी अलग है। माघी पूर्णिमा पर तीर्थ की नदियों में स्नान का महत्व है, खासतौर पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम तट पर स्नान का विशेष महत्व है।
- यहां माघ में कल्पवास की परंपरा है। एक महीने तक हजारों लोग संगम किनारे रहकर व्रत और रोज संगम में स्नान करते हैं।
- ग्रंथों में उल्लेख है माघी पूर्णिमा पर संयम से रहना, सुबह स्नान करना एवं व्रत, दान करना आदि नियम बनाए गए हैं।
- माघ मास की पूर्णिमा पर चंद्रमा मघा नक्षत्र में होता है तथा सिंह राशि में स्थित होता है इसलिए यह मास माघ कहलाता है।
- ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, माघी पूर्णिमा पर भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगाजल में स्नान, आचमन या उसका स्पर्श मात्र भी पुण्य फलदायक होता है।
- माघी पूर्णिमा पर देवता भी रूप बदलकर गंगा स्नान के लिए प्रयाग आते हैं। अत : गंगा जल और अधिक पवित्र और शुभदायक हो जाता है। इसलिए इस तिथि का विशेष महत्व धर्म ग्रंथों में बताया गया है।
- जो व्यक्ति इस दिन प्रयाग में गंगा स्नान करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- जो श्रद्धालु तीर्थराज प्रयाग में एक मास तक कल्पवास करते हैं। माघी पूर्णिमा पर उनके व्रत का समापन होता है।
- सभी कल्पवासी माघी पूर्णिमा पर माता गंगा की आरती पूजन करके साधु संन्यासियों और ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं। बची हुई सामग्री का दान कर देवी गंगा से फिर बुलाने का निवेदन कर अपने घर जाते हैं।
- माघ पूर्णिमा पर ब्रह्म मुहूर्त में नदी स्नान करने से रोग दूर होते हैं। इस दिन तिल और कंबल का दान करने से नरक लोक से मुक्ति मिलती है।

माघ पूर्णिमा के सरल उपाय

- सफेद फूल जैसे सफेद गुलाब, चंपा, चमेली, चांदनी कुमुदनी, सफेद मोती, सफेद फल, सफेद चमकीले वस्त्र, सफेद अनाज जैसे चावल, सफेद मिठाई जैसे खीर आदि चंद्रमा और श्रीकृष्ण को अर्पित करें।
- महालक्ष्मी को पीली और लाल सामग्री चढ़ाएं।
- मोर पंख को बांसुरी में बांधकर पूजन करें।
- घी का अखंड दीपक जलाएं। उसमें 4 लौंग रखें।
- घर की पानी रखने की जगह पर स्वास्तिक बनाएं।
- पूर्णिमा की रात में की गई पूजन और आराधना से साल भर के लिए लक्ष्मी और कुबेर की कृपा प्राप्ति होती है। इसके अलावा मनोबल में वृद्धि, स्मरण शक्ति व खूबसूरती में वृद्धि होती है।
- माघ पूर्णिमा के दिन स्नान और दान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। यदि किसी की जन्मकुंडली में यदि चंद्रमा कमजोर है तो वह इस दिन उपाय करके चंद्रमा को मजबूत कर सकता है।

पूर्णिमा का वैज्ञानिक महत्व

पूर्णिमा को वैज्ञानिक रूप से भी अधिक महत्व दिया जाता है क्योंकि पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पानी को अपनी और खींचता है। मनुष्य के अंदर भी 70 प्रतिशत पानी की ही मात्रा होती है। अतः पूर्णिमा के दिन मनुष्य का स्वभाव कुछ हद तक परिवर्तित हो जाता है।

धार्मिक महत्व

पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन देवी-देवताओं ने मानव रूप धारण कर गंगा में स्नान किया था। इस दिन घर में सत्यनारायण जी की कथा करना शुभ माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पूर्ण दिखाई देता है। इस दिन किसी भी पवित्र नदी में स्नान करने से सभी प्रकार के पाप कट जाते हैं।

- यदि कोई व्यक्ति किसी पवित्र नदी के पास नहीं जा सकता तो वह अपने नहाने के पानी में गंगाजल डालकर नहा सकता है। इससे भी स्नान का पूर्ण फल प्राप्त होगा। इस दिन पितरों का तर्पण करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- पूर्णिमा के दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इस दिन आप चाहें तो सत्यनारायण की कथा भी कर सकते हैं।
- इस दिन स्नान करने के बाद पितरों का तर्पण अवश्य करें और पूरे दिन का उपवास रखें।
- इस दिन सूर्योदय से उपवास रख चंद्र दर्शन के बाद समाप्त किया जाता है।
- पूर्णिमा के दिन दान का भी विशेष महत्व है। इसलिए अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी निर्धन व्यक्ति या ब्राह्मण को दान अवश्य दें।
- माघ मास की पूर्णिमा को माघ पूर्णिमा कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार 27 नक्षत्रों में एक मघा से माघ पूर्णिमा की उत्पति हुई है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक माघ पूर्णिमा पर खुद भगवान विष्णु गंगाजल में वास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगा स्नान का खास महत्व है। प्रयागराज में एक महीने तक चलने वाला कल्पवास का समापन भी माघ पूर्णिमा के दिन ही होता है।
- माघ पूर्णिमा पर सुबह स्नान के बाद भगवान विष्णु की पूजा करें। विष्णु की पूजा के बाद पितरों के निमित्त तर्पण करें। इसके बाद जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े, कंबल, तिल, गुड़, घी, फल और अन्न आदि दान करें। इस दिन सोने और चांदी का भी दान शुभ माना गया है। इसके अलावा इस दिन गौ (गाय) दान करने से विशेष लाभ मिलता है। माघ पूर्णिमा पर व्रत रखना शुभ फलदायक माना गया है। अगर संभव ना हो तो संध्या फलाहार किया जा सकता है। व्रत के दौरान किसी पर गुस्सा करना शुभ नहीं माना गया है। इसके अलावा घरेलू कलह से भी बचना चाहिए। इस तरह माघ पूर्णिमा के व्रत को संयम से रखा जाए तो पुण्य फल प्राप्त होता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग में माघ पूर्णिमा, इन 3 राशि वालों को अचानक होगा धन लाभ

इस बार माघ पूर्णिमा 1 फरवरी 2026 को मनाई जाएगी। इस दिन रवि पुष्य के साथ-साथ सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। ज्योतिषियों के अनुसार, ये दोनों योग बेहद शुभ होते हैं और इस अवधि में शुभ-मांगलिक कार्य करने से जातकों का भाग्योदय होता है। चूंकि माघ पूर्णिमा पर इन शक्तिशाली योगों का दुर्लभ संयोग बन रहा है, इसलिए भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की उपासना करना भी कल्याणकारी साबित हो सकता है। इसके प्रभाव से साधक के धन-धान्य में वृद्धि, कार्यों में सफलता व उसका भौतिक सुख बढ़ सकता है। वहीं मकर राशि में सूर्य, मंगल, बुध व शुक्र की युति भी बनी हुई है, जिससे कुछ राशियों को लाभ संभव हैं। आइए इन लकी राशियों को जानते है।

क्यों खास है माघ पूर्णिमा

इस साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 1 फरवरी रविवार को सुबह में 5 बजकर 52 मिनट पर प्रारंभ हो रही है।
इस तिथि का समापन 2 फरवरी दिन तड़के 3 बजकर 38 मिनट पर होगा। तिथि के मुताबिक, माघ पूर्णिमा 1 फरवरी 2026 को मान्य होगी।
इस दिन माघ मेले में पांचवां प्रमुख स्नान भी किया जाएगा।

मेष राशि वालों पर क्या होगा प्रभाव

- आपके लिए समय शुभ रहेगा और खट्टी-मीठी तकरार के साथ प्रेम संबंध सामान्य बने रहेंगे।
- नई नौकरी की प्राप्ति होने से मन खुश रहेगा और आपका प्रमोशन भी तय हो सकता है।
- छात्र वर्ग को परीक्षा-प्रतियोगिता में मनचाहा परिणाम प्राप्त होगा
- लव पार्टनर के साथ नजदीकियां बढ़ेंगी।
- मेहनत सही दिशा में लगेगी।
- कामकाज में स्थिर प्रगति देखने को मिलेगी
- करियर में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होगा।

तुला राशि वालों को होगा लाभ

- तुला राशि वालों के लिए समय और भी भाग्यशाली रहेगा, क्योंकि आपको मनचाहा लाभ बिजनेस में होगा।
- यात्रा के दौरान प्रभावी लोगों के साथ संबंध स्थापित होंगे।
- सिंगल लोगों की लाइफ में मनचाहे व्यक्ति की एंट्री हो सकती है।
- इस समय आपका उत्साह और पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा।
- नए काम की शुरुआत करेंगे और दान-दक्षिणा के कार्य करना शुभ रहेगा।
- प्रशासनिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।
- निवेश से भी अच्छा लाभ होने की पूरी संभावनाएं हैं

मकर राशि वालों के लिए शुभ रहेगा समय

- मकर राशि वालों की प्रेम संबंध में लव पार्टनर के साथ नजदीकियां बढ़ सकती हैं।
- व्यापारी वर्ग के लिए यह समय लाभकारी है।
- इस दौरान व्यापार से जुड़े लोगों को नई नीतियों का लाभ मिलेगा।
- आत्म विकास के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं।
- नई नौकरी के प्रयास सफल होते हुए नजर आएंगे।
- कला में निखार व विस्तार के योग बनेंगे।

माघ पूर्णिमा पर दान का पुण्य

सनातन धर्म में दान को सबसे श्रेष्ठ कर्मों में स्थान दिया गया है, और माघ पूर्णिमा पर किया गया दान अत्यंत फलदायी माना गया है। इस दिन श्रद्धा अनुसार ब्राह्मणों तथा दीन-हीन, असहाय, निर्धन लोगों को अन्न और भोजन का दान करने से जीवन में धन-धान्य की वृद्धि होती है। धार्मिक मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन किया गया दान कभी निष्फल नहीं जाता। इससे साधक के जीवन में दरिद्रता, कष्ट और अभाव दूर होते हैं तथा पुण्य का संचय होता है। हिन्दू धर्म में अन्न दान को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। अन्न दान से न केवल भूखे का पेट भरता है, बल्कि दाता के जीवन में भी सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। माघ पूर्णिमा के इस शुभ अवसर पर आप दीन-दु :खी और निर्धन बच्चों को भोजन कराने के सेवा प्रकल्प में सहयोग करें और पुण्य के भागी बनें।

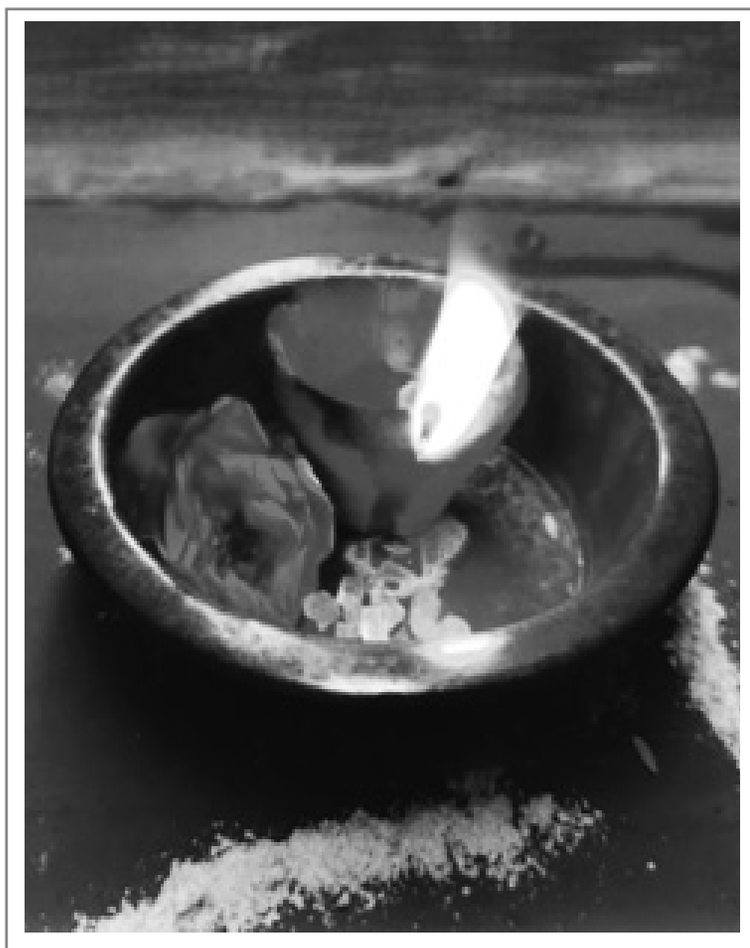

स्नान, दान और पुण्य का बन रहा महासंयोग, मिलेगा मोक्ष का मार्ग

सनातन ग्रंथों में माघ पूर्णिमा का विशेष रूप से उल्लेख मिलता है। इसे अत्यंत पुण्यदायी और मोक्षदायिनी तिथि माना गया है। इसे माघी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। बन रहे महत्वपूर्ण संयोगों के कारण यह विशेष फलदायी हो गया है। इस वर्ष 1 फरवरी यानी रविवार को माघ पूर्णिमा मनाई जाएगी। इस दिन स्नान, दान और जप-तप करने से लोगों के जीवन की परेशानी दूर हो जाती है। कार्य बिना किसी बाधा के संपन्न होते हैं। परिवार के सदस्यों से संबंध मधुर हो जाते हैं। आत्मिक शांति मिलती है। पुण्यकाल के स्नान और दान का विशेष फल मिलता है।

इस वर्ष बन रहा दुर्लभ योग

माघ पूर्णिमा 2026 पर इस बार रवि-पुष्य योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का विशेष संयोग बन रहा है। रविवार और पूर्णिमा का मेल प्रत्यक्ष देव भगवान सूर्य और भगवान विष्णु का संयोग है। यह विशेष कृपा दिलाने वाला माना गया है। इस बारे में ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि यह योग जातक को धन-धान्य से परिपूर्ण कर देता है। रोग से मुक्ति मिलती है और मानसिक शांति की प्राप्ति होती है।

धार्मिक दृष्टिकोण से भी खास

- शास्त्रों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवी-देवताओं का गंगा में निवास होता है। ऐसे में गंगा स्नान करने या फिर गंगाजल से स्नान करने से पापों का नाश होता है। दावा तो यहां तक किया गया है कि पूर्व जन्म के खराब कर्मों से भी मुक्ति मिल जाती है। इस दिन स्नान करने के बाद दान करने का विशेष महत्व है।
- इस तिथि को मोक्ष प्रदायिनी तिथि कहा जाता है। प्रयागराज के संगम में तो इस दिन विशेष रूप से स्नान किया जाता है। साधकों के लिए भी यह दिन खास होता है। उनके जीवन को नई दिशा प्राप्त होती है।
- इस दिन चंद्रमा की किरणों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ जाता है। इसलिए श्रद्धालुओं को चाहिए कि वे पूर्णिमा की रात चंद्रमा को अर्घ्य दें। इससे आरोग्य की प्राप्ति होगी।
- पुराणों के अनुसार माघी पूर्णिमा के दिन गंगाजल में भगवान विष्णु का निवास होता है। इसलिए इस दिन गंगाजल को छू लेने मात्र से स्वर्ग का सुख प्राप्त होता है। विद्वानों का ऐसा कहना है कि भगवान विष्णु माघ पूर्णिमा के दिन व्रत, उपवास, दान और ध्यान से उतने प्रसन्न नहीं होते जितना इस दिन स्नान करने से। मान्यता है कि माघ में एक बार सभी देवता पृथ्वी पर जरूर आते हैं। वे मनुष्य का रूप धारण कर भजन-सत्संग करते हैं। पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने के बाद अपने-अपने लोक चले जाते हैं।

इस दिन क्या करें दान?

पंडित प्रभात मिश्र कहते हैं कि माघ पूर्णिमा में पुण्यकाल के दौरान किया गया दान अश्वमेध यज्ञ के समान फल देने वाला होता है। इस दिन दान से पितृ दोष भी शांत हो जाता है। आइये जानते हैं कि इस मौके पर दान की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं कौन-कौन सी हैं-

- तिल और गुड़
- ऊनी वस्त्र और कंबल
- अन्न, घी और खिचड़ी
- सोना-चांदी (क्षमता के अनुसार)
- गाय या बछिया (महादान)

मिलता है विशेष फल

- कहा जाता है कि यदि माघ पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय के समय दूध व चीनी को मिला कर जल अर्पित किया जाए तो मन को शांति मिलती है। आर्थिक मजबूती रहती है। घर में आरोग्य की स्थिति रहती है। क्रोध को काबू कर पाना संभव हो पाता है।
- यह न केवल धार्मिक वरन आध्यात्मिक तौर पर भी विशेष महत्व का है। इस दिन जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। श्रद्धा और विश्वास के साथ किया गया कोई भी कर्म विशेष फल देता है।
- माघ पूर्णिमा के दिन स्नान, दान और ध्यान विशेष फलदायी होता है। इस दिन मोती या चांदी धारण करना और खीर खाना विशेष शुभ माना जाता है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि माघ की पूर्णिमा के दिन नौ ग्रहों की कृपा आसानी से पाई जा सकती है।
- पूर्णिमा के दिन मध्य रात्रि में किया गया ध्यान और उपासना विशेष फलदायी होती है। इससे व्यक्ति को बहुत जल्दी ईश्वरीय कृपा का अनुभव होने लगता है।

प्रो रेसलिंग लीग 2026

दिल्ली दंगल वॉरियर्स और हरियाणा थंडर्स के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

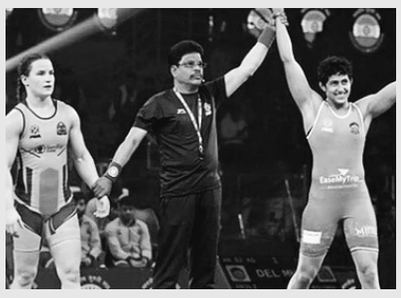

नोएडा (एजेंसी)। दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने प्रो रेसलिंग लीग 2026 के सेमीफाइनल-2 में जबरदस्त जज्बा दिखाते हुए महाराष्ट्र केसरी को रोमांचक मुकाबले में 5-4 से शिकस्त दी और फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अब खिताबी मुकाबले में दिल्ली की टक्कर हरियाणा थंडर्स से होगी। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस सेमीफाइनल में मुकाबला शुरू से अंत तक उतार-चढ़ाव से भरा रहा। दोनों टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी, लेकिन निर्णायक क्षणों में दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने बेहतर संयम और रणनीति दिखाते हुए बाज़ी मार ली। 57 किग्रा पुरुष वर्ग में घुटने की चोट के बावजूद शानदार वापसी करते हुए शुभम कौशिक ने यादगार जीत दर्ज की। उन्होंने पावर मिनट में चार अंकों का एक्सपोजर और फिर टेकडाउन कर 11-10 से नाटकीय जीत हासिल की। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 57 किग्रा महिला वर्ग में मनीषा भनवाला ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कार्ला गोडिनेज गोंज़ालेज को 15-0 से टेक्निकल सुपीरियॉरिटी से हराया और मुकाबले में महाराष्ट्र की वापसी कराई। उनके इस दबदबे के लिए उन्हें फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। 62 किग्रा महिला वर्ग में अंजली ने दुदोवा बिल्याना झिवकोवा को 12-4 से हराकर दिल्ली को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद हेवीवेट मुकाबले में महाराष्ट्र के कप्तान रॉबर्ट बारान ने रौनक को 11-1 से हराकर बढ़त दिलाई। 53 किग्रा महिला वर्ग में निशु भनवाला ने सारिका को 7-6 से हराकर स्कोर 3-1 कर दिया।अंतिम बाउट फॉरफिट से तय हुआ, लेकिन तब तक नतीजा स्पष्ट हो चुका था। दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने 5-4 से सेमीफाइनल जीतकर प्रो रेसलिंग लीग 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

चहल के पोस्टर पर भड़कीं शेफाली बग्गा

मुंबई (एजेंसी)। एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट और एंकर शेफाली बग्गा सोशल मीडिया पर वायरल उस तस्वीर को लेकर भड़क गईं, जिसमें एआई से बनाए गए पोस्टर में उनका नाम क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा गया। इन पोस्टर्स में चहल को उनकी एक्स वाइफ धनश्री वर्मा, कथित एक्स पार्टनर आरजे महवश और शेफाली बग्गा के साथ दिखाया गया। ये पोस्टर फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' के पोस्टर जैसे बनाए गए थे। इन पोस्टर्स पर रिएक्ट करते हुए शनिवार को शेफाली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, यह बहुत ही घिनौना है! जिस तरह ये ट्रोल्स लड़कियों के साथ बर्ताव करते हैं, वो बेहद शर्मनाक है। अपनी जिंदगी जियो। यह हमारी मेंटैलिटी का क्लासिक उदाहरण है। बता दें कि ये एआई जनरेटेड पोस्टर्स ग्राफिक डिजाइनर विजय कुमार बारिया ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए थे, जिसके बाद ये तेजी से वायरल हो गए। इसको लेकर युजवेंद्र चहल ने भी रिएक्शन दिया, लेकिन उनका अंदाज थोड़ा मजाकिया था। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा,2-3 रह गई हैं एडमिन, अगली बार अच्छे से रिसर्च करना। बता दें कि शेफाली और चहल के रिश्ते की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब दोनों को हाल ही में मुंबई के एक रेस्टोरेंट से साथ निकलते देखा गया। उनकी फोटो और वीडियो सामने आने के बाद गॉसिप पेजेस पर चर्चा तेज हो गई।

सबालेंका बनीं ऑस्ट्रेलियन ओपन चैम्पियन

कजाकिस्तान की एलेना ने जीता 25 करोड़ का मैच

मेलबर्न, एजेंसी

मेलबर्न में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल में कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने वर्ल्ड नंबर 1 आर्यना सबालेंका को रोमांचक मुकाबले में हराकर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत लिया। यह मैच रॉड लेवर एरिना में खेला गया, जहां दोनों खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में रयबाकिना की शानदार वापसी ने उन्हें विजेता बनाया। इसी के साथ उन्हें एक बड़ी प्राइज मनी मिली।इस मैच ने 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल की याद ताजा कर दी, जहां सबालेंका ने रायबाकिना को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। अब रायबाकिना ने बदला चुकता कर लिया और अपनी दूसरी ग्रैंड स्लैम जीत दर्ज की। इस मैच में एलेना रायबाकिना ने आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। बता दें, एलेना रायबाकिना ने पूरे टूर्नामेंट में अपना पहला सेट ही ड्रॉप किया था, जो इस फाइनल में आया। इसके बावजूद वह जीत हासिल करने में कायमाब रहीं। सबालेंका जो पिछले दो सालों में यहां दो बार चैंपियन रह चुकी हैं, इस बार ट्रिपल क्राउन हासिल नहीं कर सकीं।

एलेना रायबाकिना का दमदार प्रदर्शन

मैच की शुरुआत में रायबाकिना ने मजबूत सर्विस और सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर पहला सेट 6-4 से जीता। लेकि दूसरे सेट में सबालेंका ने वापसी की और आक्रामक खेल दिखाते हुए इसे 6-4 से अपने नाम किया। फिर तीसरे सेट में सबालेंका ने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन रायबाकिना ने शानदार कमबैक किया। उन्होंने लगातार ब्रेक लेकर स्कोर 5-3 तक पहुंचाया और अंत में 6-4 से सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया।इसी के साथ एलेना रायबाकिना ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

जोकोविच ने अल्काराज के खिलाफ पहला सेट जीता

ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच का सामना स्पेन के कार्लोस अल्काराज से जारी है। यह मैच दिलचस्प हो रहा है। एक तरफ युवा जोश और दूसरी तरफ अनुभव है। पहला सेट जोकोविच ने 6-2 से अपने नाम किया। पहले सेट में जोकोविच ने सर्विस और फॉर हेंड का जबरदस्त दम दिखाया। इसके बाद दूसरे सेट में अल्काराज ने जबरदस्त वापसी की और 6-2 से सेट अपने नाम किया। इसके बाद तीसरे सेट में जोकोविच थके हुए नजर आए और इसका फायदा अल्काराज ने उठाया और 6-3 से जीत हासिल की। अब अल्काराज सातवें ग्रैंडस्लैम से एक सेट दूर हैं। वहीं जोकोविच 25वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में हैं। अल्काराज अब तक एक बार भी ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं जीत पाए हैं। अल्काराज की नजर पहला ऑस्ट्रेलयन ओपन खिताब जीतने पर होगी।

जोकोविच इतिहास रचने उतरेंगे

जोकोविच अब 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब से केवल एक जीत दूर हैं। यह उपलब्धि उन्हें टेनिस इतिहास में सबसे ऊंचे स्थान पर ले जा सकती है। न तो महिलाओं में और न ही पुरुषों में किसी ने 25 ग्रैंडस्लैम जीते हैं। महिलाओं में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने का रिकॉर्ड मार्ग्रेट कोर्ट के नाम है, जिन्होंने 24 ग्रैंडस्लैम जीते थे। जोकोविच गोल्डन ग्रोन से बस एक खिताब दूर हैं। अल्काराज ने अब तक छह ग्रैंडस्लैम जीते हैं। इनमें ऑस्ट्रेलियन ओपन को छोड़कर बाकी सभी खिताब हैं। अल्काराज पिछले साल भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन सिनर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस बार सिनर को जोकोविच सेमीफाइनल में हराकर बाहर कर चुके हैं, जबकि अल्काराज ने सेमीफाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया था और अपना दम दिखाया था। यह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सबसे दिलचस्प मुकाबलों में से एक माना गया है।

टी-20 में भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर

ईशान की 42 बॉल में सेंचुरी

त्रिवेंद्रम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में भारत ने टी-20 में अपना तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 271 रन बनाए। ओपनर ईशान किशन ने सिर्फ 42 गेंदों में शानदार शतक लगाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव गेंदों के लिहाज से टी-20 में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले बैटर बने।शनिवार को लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन 225 रन ही बना सकी। फिन एलन ने 38 गेंदों में 80 रन की तेज पारी खेली। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने 5 विकेट लिए। इसी के साथ भारत ने न्यूजीलैंड को 46 रन से हराते हुए पांच मैचों की टी-20 सीरीज 4-1 से जीत ली।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 271 रन बनाकर भारत ने टी-20 में अपना तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। ओवरऑल फुल मेंबर (टेस्ट खेलने वाली) टीमों में यह पांचवां सबसे बड़ा स्कोर रहा।टी-20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर इंग्लैंड के नाम है, जिसने पिछले साल 2 विकेट खोकर 304 रन बनाए थे। वहीं भारत का अब तक का बेस्ट स्कोर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ हैदराबाद में बना 297/6 रन है।भारत ने 23 छक्के लगाए और टी-20 में अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले टीम ने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहान्सबर्ग में भी 23 सिक्स लगाए थे।इतना ही नहीं, भारत अब एक द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टीम भी बन गई है। 5 मैचों की इस सीरीज में भारत ने कुल 69 छक्के लगाए, जबकि इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम था, जिसने 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 64 सिक्स लगाए थे।

गावस्कर ने बताया कौन होगा ओपनर!

संजू प्लेइंग-11 से होंगे बाहर

त्रिवेंद्रम (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तिरुवनंतपुरम में खेले गए टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले ने सिर्फ रिकॉर्ड ही नहीं दिए, बल्कि टी20 वर्ल्ड कप प्लेइंग इलेवन को लेकर चल रही सबसे बड़ी बहस पर भी लगभग विराम लगा दिया। यह बहस थी- संजू सैमसन या ईशान किशन? और इस पर भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बेहद साफ शब्दों में अपनी राय रख दी।

ईशान किशन का न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाया गया पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक (103 रन) सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं था, बल्कि यह चयन समिति और टीम मैनेजमेंट के लिए एक टाइम पर आया बयान साबित हुआ। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में 271/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया और ओपनिंग स्लॉट को लेकर चल रही असमंजस की स्थिति काफी हद तक खत्म हो गई।वहीं दूसरी ओर, संजू सैमसन के लिए यह सीरीज़ निराशाजनक रही। पांच मैचों में सिर्फ 46 रन, कोई बड़ी पारी नहीं और लगातार आत्मविश्वास की कमी साफ नजर आई। हालात तब और स्पष्ट हो गए जब आखिरी मैच में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी ईशान किशन को सौंप दी गई। वर्ल्ड कप वर्ष में ऐसे बदलाव अक्सर प्रयोग नहीं, बल्कि संकेत माने जाते हैं।स्टार स्पोर्ट्स पर कमेंट्री के दौरान सुनील गावस्कर ने चयन को लेकर दो टूक बात कही। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है चयन समिति ने संजू सैमसन को पूरे मौके दिए, लेकिन अब ईशान किशन की इस पारी के बाद और तिलक वर्मा की वापसी की संभावना को देखते हुए बल्लेबाजी क्रम लगभग तय नजर आता है।'

रेसलमेनिया-42 की राह तय ट्राइबल चीफ की दमदार वापसी

रियाद, एजेंसी

रियाद में आयोजित डब्ल्यूडब्ल्यूई 2026 एक ऐसी रात बनकर सामने आया, जहां अतीत, वर्तमान और भविष्य का अनोखा संगम देखने को मिला। इस इवेंट ने जहां एक दिग्गज करियर का भावुक अंत दिखाया, वहीं दो ऐसे सुपरस्टार्स को भी जन्म दिया जो अब रेसलमेनिया-42 के मुख्य आकर्षण बनने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक रात का सबसे बड़ा नायक बने रोमन रेंस, जिन्होंने जीत के साथ रेसलमेनिया की राह अपने नाम कर ली।

मेंस रॉयल रंबल मुकाबला पूरी तरह रणनीति, ताकत और अनुभव की परीक्षा था। रोमन रेंस ऐसे समय में रिंग में उतरे, जब उनके पास साबित करने को कुछ नहीं था, लेकिन खोया हुआ साम्राज्य वापस पाने की भूख जरूर थी। मैच में कोडी रोड्स, ब्रॉक लेसनर जैसे दिग्गज मौजूद थे, लेकिन अंत में कहानी सिमटकर आई रोमन रेंस बनाम गुंथर पर अटक गई।

मेंस रॉयल रंबल के आखिर में 'द रिंग जनरल' गुंथर और ट्राइबल चीफ रोमन रेंस बचे। गुंथर ने इस दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और कई बार रोमन रेंस को बाहर करने के बेहद करीब पहुंच गए। ऑस्ट्रियन पावरहाउस की ताकत के सामने रेंस लड़खड़ाते जरूर दिखे, लेकिन बड़े मुकाबलों का अनुभव आखिरकार काम आया। अंतिम पलों में एक जोरदार स्पीयर के साथ रोमन रेंस ने गुंथर को टॉप रोप के बाहर फेंक दिया और अपने करियर की दूसरी रॉयल रंबल जीत दर्ज की। इस जीत के साथ रोमन रेंस के सामने कई रास्ते खुल गए हैं। वह डब्ल्यूडब्ल्यूई अनडिस्प्यूटेड चैंपियनशिप जीतकर फिर से खुद को हेड ऑफ द टेबल साबित कर सकते हैं या फिर सीएम पंक के खिलाफ पहली बार सिंगल्स मुकाबले में उतरकर ब्लॉकबस्टर मैच दे सकते हैं। सीएम पंक फिलहाल वर्ल्ड हेवीवेट चैंपियन हैं। रोमन किसी भी रास्ते को चुनें, एक बात साफ है, रेसलमेनिया 42 की राह अब एक बार फिर ट्राइबल चीफ से होकर ही जाएगी।

वुमेंस रॉयल रंबल मुकाबला रात का सबसे अप्रत्याशित मैच साबित हुआ। निक्की बेला की जुड़वा बहन और दिग्गज रेसलर ब्री बेला की सरप्राइज वापसी ने दर्शकों में पुरानी यादें ताजा कर दीं। ब्री बेला ने चार साल बाद भी अपनी क्लास दिखा दी, लेकिन इस मैच की असली नायिका बनीं लिव मॉर्गन।

लिव मॉर्गन की ऐतिहासिक जीत

नंबर 14 पर एंट्री करने वाली लिव मॉर्गन ने हर चुनौती का डटकर सामना किया। लैश लीजेंड की आंधी में चार सुपरस्टार्स बाहर हुईं, लेकिन मॉर्गन टिके रहीं। आखिरी क्षणों में टिफनी स्ट्रैटन और सोल रूका के साथ त्रिकोणीय संघर्ष हुआ। स्ट्रैटन द्वारा रूका को बाहर करने के बाद, मॉर्गन ने बिजली की तेजी से ओब्लिवियन मूव लगाकर जीत अपने नाम की। यह जीत लिव मॉर्गन के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जा रही है।

वेस्टइंडीज 6 रन से आखिरी टी-20 हराया

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने टी-20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 6 रन से हरा दिया है। जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में खराब मौसम और बिजली गिरने के डर के चलते मैच को 10-10 ओवर का कर दिया गया था।पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 114 रन बनाए, लेकिन डकवर्थ-लुईस नियम के आधार पर साउथ अफ्रीका को 125 रनों का टारगेट मिला।जवाब में अफ्रीकी टीम 10 ओवर में 118 रन ही बना सकी। हालांकि, सीरीज के पहले दो मैच जीतकर साउथ अफ्रीका ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है।मैच की शुरुआत से पहले ही बिजली गिरने के चलते खेल 75 मिनट देरी से शुरू हुआ। उस वक्त अंपायरों ने इसे 16-16 ओवर का करने का फैसला लिया था।वेस्टइंडीज की पारी के 6 ओवर ही हुए थे कि एक बार फिर आसमानी बिजली के चलते खेल रोकना पड़ा। करीब एक घंटे के इंतजार के बाद मैच को 10 ओवर का कर दिया गया। जब खेल दोबारा शुरू हुआ, तब विंडीज के पास बैटिंग के लिए सिर्फ 4 ओवर बचे थे।वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर अलग ही अंदाज में नजर आए। वे क्रीज पर बिना हेलमेट या कैप पहने ही बल्लेबाजी करने उतरे।

देविका सिहाग ने अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की युवा शटलर देविका सिहाग ने रविवार को यहां 250,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता। हरियाणा की रहने वाली 20 वर्षीय खिलाड़ी देविका तब 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी, जब विश्व में 68वें नंबर की खिलाड़ी और दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया। इससे भारतीय खिलाड़ी अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने में सफल रही।

विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में कोच उमेंद्र राणा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। इसके साथ ही वह इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा की देखरेख में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के साथ अपने खेल को निखार रही हैं। देविका के लिए फाइनल शानदार रहा लेकिन उनकी प्रतिद्वंदी गोह को पीड़ा झेलनी पड़ी। वह फाइनल से पहले तीन गेम तक चले चार मैच खेलने के बाद थकी हुई लग रही थीं और उन्हें कोर्ट को कवर करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।

पिछले दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही गोह ने शनिवार को भी थकान की शिकायत की थी और उन्हें कोर्ट में चलने-फिरने में परेशानी हो रही थी। उनका बायां पैर हिल नहीं पा रहा था और वह लगातार परेशान दिख रही थीं। देविका ने फाइनल में शानदार शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। एक नेट कॉर्ड की बदौलत गोह ने अपना पहला अंक हासिल किया। भारतीय खिलाड़ी क्रॉस कोर्ट और सीधे स्मैश लगाने की अपनी क्षमता और साथ ही बड़ी कुशलता से ड्रॉप शॉट लगाने से जल्द ही 9-2 से आगे हो गईं। इंटरवल तक उन्होंने 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। गोह का बॉडी स्मैश पहला निर्णायक शॉट था, लेकिन देविका ने उन्हें कोर्ट पर खूब दौड़ाया। मलेशियाई खिलाड़ी भारतीय खिलाड़ी के खेल को समझ ही नहीं पा रही थी। मलेशियाई खिलाड़ी थकी हुई लग रही थी और ऐसा लग रहा था कि उनमें ऊर्जा नहीं बची है। देविका ने शानदार क्रॉस के दम पर 13 गेम प्वाइंट हासिल किए और बैकहैंड क्रॉस से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में देविका ने जल्द ही 6-3 की बढ़त बना ली। मलेशिया की खिलाड़ी असहज दिख रही थी और उन्होंने आखिर में मैच से हटने का फैसला कर दिया। देविका ने पिछले कुछ समय से शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने अगस्त 2025 में मलेशिया इंटरनेशनल में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने 2025 में विश्व विश्वविद्यालय खेलों में भारत की मिश्रित टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम योगदान दिया।

वह पिछले सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रही थी जबकि 2024 में चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। इनमें स्वीडिश ओपन और पुर्तगाल इंटरनेशनल भी शामिल हैं, जहां वह विजेता रही थी। उन्होंने एस्टोनियन इंटरनेशनल और डच इंटरनेशनल में दूसरा स्थान हासिल किया था।

न्यूज डायरी

श्री गुरु रविदास जन्मोत्सव पर पी.जी.आई. में भव्य कार्यक्रम, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया सत्यपाल जैन ने मुख्य अतिथि के तौर पर गुरुजी को नमन किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पी.जी.आई. चंडीगढ़ में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी गुरू पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर श्री सत्यपाल जैन पूर्व सांसद चंडीगढ़ एवं एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया के साथ-साथ भाजपा नेता एवं चंडीगढ़ नगर निगम के महापौर सौरभ जोशी, पूर्व वरिष्ठ उप-महापौर दिलीप शर्मा, कांग्रेस अध्यक्ष हरमिंदर सिंह लकी, विजय पाल सिंह, रिटायर्ड डी.एस.पी, अध्यक्ष व आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष अवतार सिंह सैनी, समाजसेवी जसपाल सिंह, प्रोफेसर अशोक कुमार सभरवाल, पंजाब यूनिवर्सिटी, स. उत्तम सिंह, चीफ पैट्रन श्री गुरु रविदास सभा पी.जी.आई. चंडीगढ़, श्री सचिन गालव पार्षद नगर निगम चंडीगढ़ सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सभी ने संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी को नमन किया।

''ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न। छोट-बड़ो सब सम बसैं, रविदास रहे प्रसन्न।।'गुरु जी की वाणी को याद करते हुए सत्यपाल जैन पूर्व सांसद चंडीगढ़ ने कहा कि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी ने सबका भला किया है। वह किसी एक जाति नहीं बल्कि पूरी मानवता के गुरु हैं। उन्होंने सम्पूर्ण जगत में सामाजिक समरसता व एकात्मता का संदेश दिया है।

उपरोक्त कार्यक्रम में श्री सी. एल. पंवार, एडवोकेट पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट, डॉ0 डी.पी. लोचन, डायरेक्टर जनरल हैल्थ (रिटायर्ड), श्री इंदर राज अध्यक्ष अंबेडकर भवन सेक्टर 30 चंडीगढ़, प्रोफेसर पंकज वैद्य, प्रोफेसर देवी दयाल, प्रोफेसर नीलम चौधरी, प्रोफेसर जितेंद्र कुमार, प्रोफेसर संदीप संधू, श्री बलराज बेदी एडवोकेट, मुकेश सिरसवाल कांग्रेस नेता, सतीश गर्ग, संस्थापक, अध्यक्ष श्री सत्य साईं मानव सेवा संगठन, प्रोफेसर नीलम दहिया, कार्डियोलॉजिस्ट पी.जी.आई. चंडीगढ़, श्री किशोर चाहल उद्योगपति समाजसेवी फगवाड़ा पंजाब, डॉक्टर आर.पी. सिंह टेक्निकल ऑफीसर रिटायर्ड पी.जी.आई. चंडीगढ़, डॉक्टर एस.पी. मंडल, श्री रविंद्र किशोर कौशिक पत्रकार, श्रीमती सुषमा शर्मा पत्रकार, चंद्रपाल अनार्य धर्मगुरु प्रोफेसर पूजा रानी, प्रोफेसर कौशल पंवार, डॉ नवनीत कौर, श्रीमती बबीता, प्रोफेसर संजीव चड्ढा, श्री सागर बोहत, श्री धीरज बिरला श्री प्रफुल्ल कश्यप एडवोकेट, श्रीमती हरविंदर कौर मोना और श्री शेखर घारू ने भी संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी को नमन किया। आयोजक प्रबंधक कमेटी श्री गुरु रविदास भवन पी.जी.आई. चंडीगढ़ ने सभी का धन्यवाद किया।

पंचकूला में ज़ोनल पीएमईजीपी खादी प्रदर्शनी, 85 से अधिक स्टॉल लगे

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), चंडीगढ़ के राज्य कार्यालय द्वारा आयोजित ज़ोनल स्तर की पीएमईजीपी प्रदर्शनी दशहरा ग्राउंड (शालीमार ग्राउंड), सेक्टर-5, पंचकूला में शुरू हो चुकी है। यह प्रदर्शनी 30 जनवरी 2026 से 8 फरवरी 2026 तक चलेगी, जिसे जनता की प्रतिक्रिया के अनुसार दो दिन और बढ़ाया जा सकता है। प्रदर्शनी में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और बिहार सहित कई राज्यों से खादी एवं ग्रामोद्योग के प्रीमियम उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। यहां 85 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जहां प्रचार-सह-विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी के दौरान अगरबत्ती निर्माण मशीन, मिट्टी के बर्तन बनाना (पॉटरी) तथा देसी चरखा, बॉक्स चरखा और एनएमसी चरखा जैसी कताई तकनीकों के लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी दिखाए जा रहे हैं। इसके अलावा 'खादी सेल्फी पॉइंट' बनाया गया है, जहां फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर साझा करने वाले प्रतिभागियों को 100 से अधिक लाइक मिलने पर आकर्षक सरप्राइज़ उपहार दिए जाएंगे। आगंतुकों के मनोरंजन के लिए प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। फूड स्टॉल्स पर गर्मागर्म नाश्तों की व्यवस्था है, जबकि बच्चे पॉटरी और चरखा गतिविधियों में भाग लेकर सीख सकते हैं। आयोजकों ने शहरवासियों से परिवार सहित प्रदर्शनी में आने, असली खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पाद खरीदने और इस अनोखे अनुभव का आनंद लेने की अपील की है।

पंडित जसराज जी की जयंती पर कल पीलीमंदोरी में होगा राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में विख्यात पंडित जसराज जी की जयंती पर जिला फतेहाबाद के गांव पीलीमंदोरी में 2 फरवरी को राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुंबई से पंडित जसराज जी के परिजनों के साथ कई प्रसिद्ध संगीतकार और भजन गायक शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में गायक सोनू निगम व अनूप जलोटा सहित अन्य विख्यात कलाकारों के भाग लेने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि पंडित जसराज जी प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, जिन्होंने भारतीय संगीत में अद्वितीय योगदान दिया तथा अपनी मधुर आवाज से विश्वभर में भारतीय शास्त्रीय संगीत की धरोहर को समृद्ध किया।

मेयर पद पर सौरव जोशी जैसे ही विलक्षण बुद्धि, निर्भीक और ईमानदार युवा नेतृत्व की आवश्यकता थी : पूर्व मेयर पूनम शर्मा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय 'कमलम', सेक्टर-33, चंडीगढ़ में नवनिर्वाचित मेयर सौरभ जोशी, सीनियर डिप्टी मेयर जसमनप्रीत सिंह एवं डिप्टी मेयर सुमन शर्मा को पूर्व मेयर एडवोकेट पूनम शर्मा, उपाध्यक्ष भाजपा चंडीगढ़ तथा चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के वाइस चेयरमैन डॉ. अनीश गर्ग ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर एडवोकेट पूनम शर्मा ने कहा कि आज चंडीगढ़ की कॉलोनियों के मसीहा और भाजपा के लौह स्तंभ, दिवंगत जयराम जोशी जी की आत्मा स्वर्गधाम में अवश्य ही पुलकित हो रही होगी। जोशी परिवार सदैव चंडीगढ़ की जनता के सुख-दुख में निस्वार्थ भाव से खड़ा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सौरभ जोशी के नेतृत्व में यह कार्यकाल ऐतिहासिक सिद्ध होगा। चंडीगढ़ को ऐसे ही विलक्षण बुद्धि, निर्भीक और ईमानदार युवा नेतृत्व की आवश्यकता थी। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय टंडन को सफल नेतृत्व के लिए बधाई दी।

डॉ. अनीश गर्ग ने कहा कि सीनियर डिप्टी मेयर जसमन सिंह अपने वार्ड में जनसेवा के लिए दिन-रात समर्पित रहते हैं। जनसेवा के माध्यम से उन्होंने जो स्नेह और आशीर्वाद अर्जित किया है, यह पद उसी का प्रतिफल है।

मन चंगा तो कठौती में गंगा: ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने संत रविदास जयंती पर दिया गर्व से काम करने का संदेश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास जी ने सबसे बड़ा संदेश दिया कि "मन चंगा तो कठौती में गंगा" यानि हम मन को ठीक कर लें तो सब कुछ हमारे पास बैठे बिठाए आ जाएगा तथा हम जो भी कार्य करें उसे गर्व से करें, यहीं गुरूजी का संदेश हैं।

श्री विज आज अंबाला में संत शिरोमणि गुरू रविदास महाराज की जयंती के पावन अवसर पर रविदास मंदिर में माथा टेकने के उपरांत श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने गुरू रविदास जयंती की बधाई देते हुए कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास जी का हमारे समाज व सभ्यता के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कई तरीकों से समाज को एक करने का काम किया है। वैसे तो गुरू रविदास जी जुतियां गाठने का काम करते थे, लेकिन गर्व से करते थे। यहीं सीख एवं उपदेश है कि हम जो भी कार्य करें उसे गर्व से करें। उस समय भक्तियुग का समय था और उन्होंने सारे शास्त्रों का मूल मंत्र दिया "मन चंगा तो कठौती में गंगा"। यदि मन ठीक है तो सब कुछ तेरे पास बैठे बिठाए आएगा यह बहुत बड़ा संदेश संत शिरोमणि गुरू रविदास जी ने दिया। रविदास जी ने

समानता का भी संदेश दिया जोकि बहुत बड़ा संदेश है जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत है कि हम सब एक रहकर देश को आगे ले जाने का काम करें।

इससे पहले, ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने आज गुरू रविदास जयंती के अवसर पर गांव घसीटपुर स्थित रविदास मंदिर व 12 क्रॉस रोड पर जाटव पंचायत धर्मशाला परिसर स्थित मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शिरकते हुए माथा टेका व आर्शीवाद लिया। इस दौरान मंदिर सभा के पदाधिकारियों ने मंत्री अनिल विज को सम्मान का प्रतिक पगड़ी, शॉल व स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनन्दन किया।

वहीं, मंत्री अनिल विज ने अंबाला के 12 क्रॉस रोड पर जाटव पंचायत धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान धर्मशाला कमेटी के पदाधिकारियों की मांग पर धर्मशाला के लिए एक लाख रुपए अपने स्वैच्छिक कोष से देने की घोषणा की।

केंद्रीय बजट देश की अवसंरचना, युवाओं और समावेशी विकास को नई दिशा देगा : रणबीर गंगवा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य आभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना की है। उन्होंने इसे जनहितैषी बजट बताया है।

श्री गंगवा ने कहा कि यह बजट युवा शक्ति से संचालित, गरीब-कल्याण पर केंद्रित और भारत की अवसंरचना को भविष्य के लिए तैयार करने वाला बजट है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की दूरदर्शी सोच के कारण यह बजट आधुनिक अवसंरचना, तेज कनेक्टिविटी और संतुलित विकास की मजबूत नींव रखेगा, जिसका लाभ हरियाणा सहित पूरे देश को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यह पहला बजट तीन स्पष्ट कर्तव्यों—आर्थिक वृद्धि को गति देना, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना तथा सबका साथ-सबका विकास के विज़न को साकार करने—से प्रेरित है। यह बजट विकसित भारत-2047 की दिशा में एक मजबूत और भरोसेमंद कदम है।

श्री गंगवा ने विशेष रूप से सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को 12.2 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाए जाने के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि इससे देश-भर में सड़क, पुल, शहरी अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी परियोजनाओं को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य, जो औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में उभर रहा है, इस बढ़े हुए कैपेक्स का प्रत्यक्ष लाभ उठाएगा।

कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने सात उच्च-गति रेल कॉरिडोरों की घोषणा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि दिल्ली-वाराणसी जैसे कॉरिडोर न केवल यात्रा को तेज और पर्यावरण-अनुकूल बनाएंगे, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती देंगे। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से उद्योग, पर्यटन और रोजगार के अवसरों का विस्तार होगा।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के एमएसएमई विकास निधि, बायोफार्मा शक्ति जैसी पहलों और लॉजिस्टिक्स व कार्गो मूवमेंट को सुगम बनाने वाले सुधारों से निर्माण और सेवा क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलेगी। इससे सड़कों, औद्योगिक क्लस्टरों और शहरी आर्थिक क्षेत्रों के विकास को भी बल मिलेगा।

कर सुधारों पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री गंगवा ने कहा कि नया आयकर अधिनियम, सरलीकृत प्रक्रियाएं, दंड-अभियोजन का युक्तिकरण और व्यापार करने की सुगमता जैसे कदम निवेशकों और मध्यम वर्ग दोनों के लिए भरोसा बढ़ाने वाले हैं।